सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

"सफलता की ख़ुशी मनाना अच्छा है पर, उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना !

वर्ष 01, अंक 264, नई दिल्ली

मंगलवार, 05 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

# परिवहन विभाग से आरटीआई 2005 के अंर्तगत तेजपाल ने किए सवाल और अब परिवहन विशेष के संपादक पुछने जा रहें है वाहन स्क्रैप के प्रति सवाल

संजय बाटला, सम्पादक

**नई दिल्ली।** बादली गांव के तेजपाल नाम के व्यक्ति द्वारा परिवहन विभाग में परिवहन आयुक्त द्वारा दिल्ली में अपने पद के बल और प्राप्त शीर्ष अदालत, एनजीटी और वायु गुणवत्ता आयोग द्वारा दिशा निर्देशों को अपने ज्ञान से अपने और अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो के प्रति लागू करवा कर जनता के 10 साल पूरे हो चुके डीजल और 15 साल पूरे हो चुके सीएनजी वाहनों को कब्जे में लिया था की जानकारी मांगे थी (आरटीआई की कापी स्लगन) जिसके जवाब में परिवहन विभाग द्वारा सिर्फ यह बताना पसन्द किया की उन्होने 13670 वाहनों को जब्त कर स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द किया।

तेजपाल द्वारा मांगे गए सभी सवालों का जवाब और जो जवाब प्राप्त हुए वह भी उनके द्वारा मांगे गए विवरण के अनुसार ना होने पर अपील लगाई गई और अपील में उन्हें फिर से 7 दिन का समय जवाब के लिए दे दिया गया।

**परिवहन विभाग क्या जनता के समक्ष यह बताना अपना कर्तव्य नही समझता**

इन वाहनों के मालिको में से कितने वाहन मालिकों द्वारा अपनी इच्छा अपने वाहन को स्क्रैप करवाने के लिए दी ?

परिवहन विभाग द्वारा इन वाहनों में से कितने वाहनों को स्क्रैप करने के लिए स्क्रैप डीलरो को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं ?

परिवहन विभाग द्वारा वाहन मालिक की प्रार्थना/ उच्च न्यायालय/जिला न्यायालय के आदेश पर छोड़ने के आदेश दिए ?

परिवहन विभाग द्वारा वाहन छोड़ने के आदेश पारित करने के पश्चात उनमें से कितने वाहन मालिकों को उनके वाहन प्राप्त हुए ?

परिवहन विभाग द्वारा वाहन छोड़ने के आदेश पारित होने के बाद भी परिवहन आयुक्त के प्रिय स्क्रैप डीलरो द्वारा जो वाहन नहीं छोड़े गए उन स्क्रैप डीलरो के खिलाफ परिवहन विभाग द्वारा क्या कार्यवाही की गई ?

**मुख्य रूप से परिवहन विभाग यह जनता के समक्ष प्रस्तुत करे की उनके द्वारा जब्त किए गए 13670 वाहनों में से**

**कितने वाहन वापिस कर दिए जा चुके हैं ?**

**कितने वाहन मालिकों को पैसे दे दिए जा चुके हैं ?**

**कितने वाहनों के पैसे परिवहन आयुक्त ने अपने बैंक खाते में ले लिए हैं ?**

**कितने वाहन और वाहनों के पैसे अभी तक स्क्रैप डीलरो के पास बकाया है ?**

## काम की खबर: जनरथ बस का किराया 10 फीसदी तक घटेगा, यात्रियों को मिलेगी राहत

गोरखपुर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक महेश चंद्र ने बताया कि लोड फैक्टर में संभावित गिरावट और वातानुकूलन संयंत्र के कार्यशील न रहने के कारण परिवहन निगम ने यह निर्णय लिया है। इससे वातानुकूलित सेवाओं को भी लाभप्रद बनाया जा सकेगा।

रोडवेज की एसी बसों का किराया कम हो जाने जा रहा है। ठंड के मद्देनजर रोडवेज ने एसी बसों के किराए में 10 फीसदी कमी करने का फैसला किया है। किराए की संशोधित दरें 16 दिसंबर 2023 से 28 फरवरी 2024 तक लागू रहेंगी। इससे रोडवेज की बसों से सफर करने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत होगी।

गोरखपुर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक महेश चंद्र ने बताया कि लोड फैक्टर में संभावित गिरावट और वातानुकूलन संयंत्र के कार्यशील न रहने के कारण परिवहन निगम ने यह निर्णय लिया है। इससे वातानुकूलित सेवाओं को भी लाभप्रद बनाया जा सकेगा। वातानुकूलित श्री बाइ टू सीटर बसों का प्रति किलोमीटर 1.47 रुपये, टू बाइ टू सीटर बसों का किराया 1.74 रुपये प्रति किलोमीटर, वातानुकुलित शयनयान बसों का 2.33 रुपये व वाल्वो (हाई एंड) का किराया 2.58 रुपये प्रति किलोमीटर होगा। संशोधित दरों से किराए में 10 फीसदी की कमी आएगी।

**गंतव्य किराया वर्तमान- कम होने के बाद**

गोरखपुर से दिल्ली- 1875-1688
गोरखपुर से लखनऊ- 672-605
गोरखपुर से कानपुर- 900-810
गोरखपुर से वाराणसी- 517-466
गोरखपुर से प्रयागराज-608-548

## 'दोषपूर्ण सड़क इंजीनियरिंग हादसों की मुख्य वजह' केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का बयान

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय सड़क कांग्रेस के 82वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने रविवार को वैकल्पिक सामग्री और नवीनतम तकनीक का उपयोग करके गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्माण लागत कम करने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आह्वान किया।

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दोषपूर्ण सड़क इंजीनियरिंग अक्सर भारत में हर साल होने वाली पांच लाख दुर्घटनाओं का कारण होती है। उन्होंने इंजीनियरों से जीवन बचाने के लिए ब्लैक स्पॉट को हटाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

भारतीय सड़क कांग्रेस के 82वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने रविवार को वैकल्पिक सामग्री और नवीनतम तकनीक का उपयोग करके गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्माण लागत कम करने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आह्वान किया। भारत में सालाना पांच लाख दुर्घटनाएं और 1.5 लाख मौतें होती हैं और 3 लाख लोग घायल होते हैं।

इससे देश की जीडीपी को 3 फीसदी का नुकसान हुआ। बलि के मेमने की तरह, हर दुर्घटना के लिए ड्राइवर को दोषी ठहराया जाता है, लेकिन मेरे अनुभव के मुताबिक अक्सर, सड़क इंजीनियरिंग में गलती होती है। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उनकी ठीक से इंजीनियरिंग की जाए।

**मेरी भी सड़क हादसे में चार हड्डियां टूटी थीं**

गडकरी ने कहा, मैं भी एक दुर्घटना का शिकार हो गया था और मेरी चार हड्डियां टूट गई थीं। दुर्घटना में होने वाली मौतों में 60 प्रतिशत मौतें 18 से 34 वर्ष की आयु के लोगों की होती हैं।

**सुरंग में मजदूरों को बचाने वालों को कोई नहीं भूल सकता**

उत्तरकाशी सुरंग घटना पर गडकरी ने कहा कि कोई उन लोगों को नहीं भूल सकता जो सुरंग के अंदर गए और अंदर फंसे लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली। जब लोग सुरंग में फंस गए थे, तो मुझे रोजाना ब्रीफिंग मिलती थी और मैं बहुत चिंतित था। हम कुछ नहीं कर पा रहे थे। सारे उपाय, विकल्प और सामग्रियां उनकी जान बचाने में लग गयीं।

**गुणवत्ता डिजाइन से समझौता किए बगैर डीपीआर की पूर्णता जरूरी**

गडकरी ने डिजाइन और गुणवत्ता से समझौता किए बिना विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में पूर्णता की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्माण की लागत कम करने की जरूरत है और यह संभव है। हमें मानसिकता बदलनी होगी, सकारात्मक सोचना होगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करना होगा।

# डबल डेकर भूमिगत मेट्रो स्टेशन में एंट्री के लिए निगम देगा जमीन, दुकानें तोड़कर बनेगा प्रवेश द्वार

संजय बाटला, सम्पादक

डीएमआरसी को बड़ी मुश्किल से निगम की 348.754 वर्ग मीटर जमीन यहां मिल गई है। निगम ने जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को सदन से मंजूरी प्रदान की है।

**नई दिल्ली।** सदर बाजार डबल डेकर भूमिगत मेट्रो स्टेशन में एंट्री के लिए दिल्ली नगर निगम जमीन देने के लिए तैयार है। दिल्ली में सबसे अधिक भीड़भाड़ वाले सदर बाजार में भूमिगत मेट्रो लाइन तो किसी सूरत में पहुंच गई, लेकिन स्टेशन के एंट्री गेट के लिए यहां जमीन नहीं मिल पा रही थी।

डीएमआरसी को बड़ी मुश्किल से निगम की 348.754 वर्ग मीटर जमीन यहां मिल गई है। निगम ने जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को सदन से मंजूरी प्रदान की है। दिल्ली मेट्रो फेज चार के अंतर्गत निर्माणाधीन जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कारिडोर पर सदर बाजार मेट्रो स्टेशन दिल्ली का पहला डबल डेकर मेट्रो स्टेशन बन रहा, जहां मेट्रो के आवागम के लिए अप और डाउन लाइन एक दूसरे के समानांतर नहीं, बल्कि एक दूसरे के ऊपर-नीचे बनाए जा रहे।

इसकी वजह ये है कि सदर बाजार में स्टेशन के लिए जगह कम पड़ रही। दूसरी ओर जमीन की सतह पर तो खाली जगह को लेकर हालत इससे कहीं ज्यादा खराब है। करीब 2019 में फेज चार कॉरिडोर के लिए काम शुरू हुआ, सदर बाजार मेट्रो स्टेशन के एंट्री-एग्जिट गेट के लिए डीएमआरसी को तब से जगह की तलाश थी, लेकिन कहीं भी जगह नहीं मिल रही थी। अब निगम ने 61,06,212 रुपये कीमत पर अपनी ये जमीन निगम को देने का निर्णय लिया है।

**हर साल जमीन की कीमत का पांच फीसदी मिलेगा**

एमसीडी ने डीएमआरसी को महत्वपूर्ण शर्तों पर अपनी जमीन बेची है। इसके तहत निगम को उसकी जमीन की कीमत का पांच फीसदी हर साल डीएमआरसी से किराए के रूप में मिलेगा। डीएमआरसी को एंट्री-एग्डिट गेट निर्माण की स्वीकृति निगम के उप नियम के मुताबिक मिलेगी। नियम व शर्तों के उल्लंघन पर निगम अपनी जमीन फिर से लेने के लिए स्वतंत्र रहेगा।

व्यावसायिक उपयोग नहीं करेगा

डीएमआरसी निगम ने मेट्रो स्टेशन के एंट्री-एग्जिट के लिए जगह दी है, यहां डीएमआरसी कोई व्यावसायिक गतिविधि शुरू नहीं करेगा। यदि ऐसी कोई योजना होगी तो इसके लिए निगम से लिखित अनुमति लेनी होगी।

**निगम की दुकानें तोड़कर बनेगा एंट्री गेट**

सदर बाजार डबल डेकर मेट्रो स्टेशन के एंट्री-एग्जिट गेट न्यू कुतुब रोड मार्केट में स्थित निगम की दुकानों को तोड़कर बनेगा। सालों से निगम ने यहां पर अपनी दुकानें किराए चढ़ा रखी थीं, जिनमें बैग, खिलौने इत्यादि की दुकानें समय से खाली करा ली गईं। अब निगम ने डीएमआरसी को ये जमीन सौंपने की कानूनी प्रक्रिया शुरू की है। डीडीए द्वारा निर्धारित सर्किल रेट के मुताबिक निगम की जमीनों की कीमत तय की गई है।

**निगम आयुक्त करेंगे औचक निरीक्षण**

इस जगह का निगम आयुक्त या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को कभी भी औचक निरीक्षण करने का अधिकार होगा। यदि निगम ऐसा करने से रोका गया तो इसे नियम का उल्लंघन माना जाएगा। इसके बाद निगम को अधिकार होगा कि वह फिर से इस जगह को अपने कब्जे में ले सकता है। इसके अलावा नियम के मुताबिक अन्य कार्रवाई भी करने का अधिकार निगम के पास होगा।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

# दिल्ली में सुरक्षित नहीं हैं महिलाएं, डराने वाले हैं NCRB के आंकड़े; 19 महानगरों में राजधानी की स्थिति सबसे खराब

**राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में जारी की गई NCRB की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में 72.4 प्रतिशत की चार्जशीट दर के साथ महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14158 मामले दर्ज किए गए। वहीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।**

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में जारी हुई एनसीआरबी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले साल की तुलना में साल 2022 में 19 महानगरों में 12.3 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई थी।

**दर्ज किए गए 14 हजार से अधिक मामले**

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 20 लाख से अधिक आबादी वाले 19 महानगरों (अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, कोयंबटूर, दिल्ली, गाजियाबाद, हैदराबाद, इंदौर, जयपुर, कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, कोझिकोड, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पटना, पुणे और सूरत) में 2022 के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48,755 मामले दर्ज किए गए, जो 2021 (43,414 मामले) की तुलना में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 72.4 प्रतिशत की चार्जशीट दर के साथ महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14,158 मामले दर्ज किए गए।

**4 प्रतिशत बढ़े महिला से अपराध: रिपोर्ट**

NCRB की वार्षिक रिपोर्ट के 70 वें संस्करण के आंकड़ों के पर नजर डाले तो राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में साल 2022 के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जो साल 2021 (4,28,278 मामले) की तुलना में 4 प्रतिशत ज्यादा हैं।

**सबसे ज्यादा है पति या रिश्तेदारों की क्रूरता के मामले**

रिपोर्ट के अनुसार, आईपीसी के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराध के तहत ज्यादातर मामले 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा की क्रूरता के तहत दर्ज किया गए थे जो 31.4 प्रतिशत हैं। इसके बाद महिलाओं के अपहरण के मामले 19.2 प्रतिशत दर्ज किए गए। साथ ही महिलाओं पर उत्पीड़न के इरादे से हमला करने के मामले 18.7 प्रतिशत और दुष्कर्म के 7.1 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। एनसीआरबी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति लाख महिलाओं के खिलाफ होने वाले आपराधिक मामले साल 2021 में 64.5 थे, लेकिन 2022 में यह बढ़कर 66.4 हो गए थे।

**बच्चों के खिलाफ भी बढ़े मामले**

वहीं, एनसीआरबी की इस रिपोर्ट में बच्चों के साथ होने वाले अपराध को लेकर भी चिंता जताई है। साथ ही रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रति लाख बच्चों की आबादी पर दर्ज अपराध दर 36.6 थी जो 2021 की तुलना में 3 प्रतिशत अधिक थी। रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में इसकी संख्या 33.6 प्रतिशत थी।

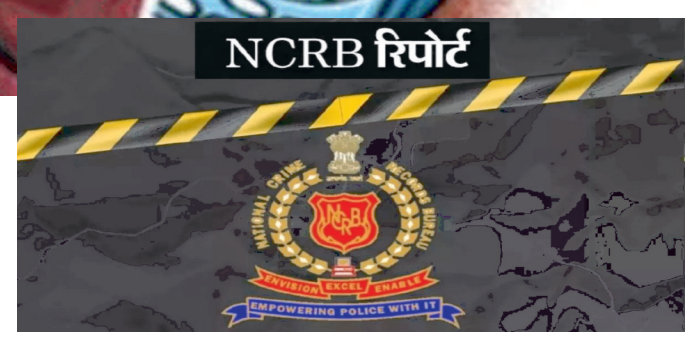


## वायु प्रदूषण का बढ़ने लगा खतरा, गर्भवती महिलाओं को ज्यादा रिस्क, ऐसे करें बचाव

इस महीने की शुरुआत से ही दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में प्रदूषण का लेवल बढ़ रहा है. ऐसे में डॉक्टरों ने अलर्ट किया है. डॉक्टरों का कहना है कि अभी से लोगों को वायु प्रदूषण से बचाव करना होगा. इसके लिए डॉक्टरों ने कुछ टिप्स साझा किए हैं.

मौसम में परिवर्तन और ठंड शुरू होने के साथ ही दिल्ली और एनसीआर समेत कई इलाकों में वायु प्रदूषण के स्तर में इजाफा होने लगा है. बढ़ते खतरे को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप का पहला चरण भी शुरू करने का आदेश दिया गया है. प्रदूषण की वजह से सेहत पर भी गंभीर असर होता है. इससे लंग्स इंफेक्शन, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारी हो जाती है. प्रदूषण का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को होता है. डॉक्टरों का कहना है कि प्रेग्नेंट महिलाओं को अभी से उनकी सेहत का ध्यान रखना होगा. ऐसा इसलिए क्योंकि आने वाले दिनों में प्रदूषण का लेवल बढ़ेगा. अगर अभी से सावधानी बरती तो भविष्य में गंभीर खतरे से बचाव हो सकता है.

गुरुग्राम के मैक्स हॉस्पिटल्स में एसोसिएट डायरेक्टर (ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी) और औरा स्पेशलिटी क्लीनिक की डायरेक्टर डॉ. रितु सेठी बताती हैं कि वायु प्रदूषण के बढ़ने की वजह से लोगों को कई तरह की परेशानियां होती हैं. जिन लोगों को पहले से ही सांस संबंधित बीमारियां हैं उनको अधिक खतरा रहता है. खासतौर पर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बढ़ते प्रदूषण के कारण ज्यादा परेशानी होती है, हालांकि अभी प्रदूषण अधिक नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा. ऐसे में अभी से बचाव करना जरूरी है. प्रदूषण से बचाव नहीं किया तो गर्भवती महिला को कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं.

## आखिर गुजरात स्थित भगवान शिव के ज्योर्तिलिंग का नाम सोमनाथ कैसे पड़ा?

शुभा दुबे

शापमुक्त होकर चंद्रदेव ने अन्य देवताओं के साथ मिलकर मृत्युंजय भगवान से प्रार्थना की कि आप माता पार्वतीजी के साथ सदा के लिए प्राणियों के उद्धारर्थ यहां निवास करें। भगवान शिव उनकी इस प्रार्थना को स्वीकार करके ज्योतिर्लिंग के रूप में माता पार्वती जी के साथ तभी से यहां रहने लगे।

भगवान श्री सोमनाथ का मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। भगवान शिव के ज्योतिर्लिंगों में से एक सोमनाथ मंदिर गुजरात राज्य के काठियावाड़ क्षेत्र में समुद्र के किनारे स्थित है। पहले यह क्षेत्र प्रभास क्षेत्र के नाम से जाना जाता था। यहीं भगवान श्रीकृष्ण ने जरा नामक व्याध के बाण को निमित्त बनाकर अपनी लीला का संवरण किया था। सोमनाथ मंदिर के ज्योतिर्लिंग की कथा पुराणों में भी मिलती है। पुराणों में उल्लिखित पहली कथा के मुताबिक दक्ष प्रजापति की सत्ताइस कन्याएं थीं। उन सभी का विवाह चंद्र देवता के साथ हुआ था। किंतु चंद्रमा का समस्त अनुराग उनमें एक केवल रोहिणी के प्रति ही रहता था। उनके इस कार्य से दक्ष प्रजापति की अन्य कन्याओं को बहुत कष्ट होता था। उन्होंने अपनी यह व्यथा कथा अपने पिता को सुनायी। दक्ष प्रजापति ने इसके लिए चंद्र देव को बहुत प्रकार से समझाया। किंतु रोहिणी के वशीभूत उनके हृदय पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। अंततः दक्ष ने क्रुद्ध होकर उन्हें 'क्षयी' हो जाने का शाप दे दिया। इस शाप के कारण चंद्रदेव तत्काल क्षयग्रस्त हो गये। उनके क्षयग्रस्त होते ही पृथ्वी पर सुधा-शीतलता-वर्षण का उनका सारा कार्य रुक गया। चारों ओर त्राहि-त्राहि मच गयी। चंद्रमा भी बहुत दुःखी और चिंतित थे। उनकी प्रार्थना सुनकर इन्द्र आदि देवता तथा वसिष्ठ आदि ऋषिगण उनके उद्धार के लिए पितामह ब्रह्माजी के पास गये। सारी बातों को सुनकर ब्रह्माजी ने कहा- चंद्रमा अपने शाप विमोचन के लिये अन्य देवों के साथ पवित्र प्रभास क्षेत्र में जाकर मृत्युंजय भगवान की आराधना करें। उनकी कृपा से अवश्य ही इनका शाप नष्ट हो जायेगा और ये रोगमुक्त हो जाएंगे।

उनके कथनानुसार चंद्रदेव ने मृत्युंजय भगवान की आराधना का सारा कार्य पूरा किया। उन्होंने घोर तपस्या करते हुए दस करोड़ मृत्युंजय मंत्र का जप किया। इससे प्रसन्न होकर मृत्युंजय- भगवान शिव ने उन्हें अमरत्व का वर प्रदान किया। उन्होंने कहा- चंद्रदेव! तुम शोक न करो। मेरे वर से तुम्हारा शाप मोचन तो होगा ही साथ ही साथ प्रजापति दक्ष के वचनों की रक्षा भी हो जायेगी। कृष्णपक्ष में प्रतिदिन तुम्हारी एक-एक कला क्षीण होगी, किंतु पुनः शुक्ल पक्ष में उसी क्रम से तुम्हारी एक-एक कला बढ़ जाया करेगी। इस प्रकार प्रत्येक पूर्णिमा को तुम्हें पूर्ण चंद्रत्व प्राप्त होता रहेगा। चंद्रमा को मिलने वाले पितामह ब्रह्माजी के इस वरदान से सारे लोकों के प्राणी प्रसन्न हो उठे। सुधाकर चंद्रदेव पुनः दसों दिशाओं में सुधा वर्षण का कार्य पूर्व की भांति करने लगे।

शापमुक्त होकर चंद्रदेव ने अन्य देवताओं के साथ मिलकर मृत्युंजय भगवान से प्रार्थना की कि आप माता पार्वतीजी के साथ सदा के लिए प्राणियों के उद्धारर्थ यहां निवास करें। भगवान शिव उनकी इस प्रार्थना को स्वीकार करके ज्योतिर्लिंग के रूप में माता पार्वती जी के साथ तभी से यहां रहने लगे।

पावन प्रभास क्षेत्र में स्थित इस सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा महाभारत, श्रीमद्भागवत तथा स्कन्द पुराण आदि में विस्तार से बतायी गयी है। चंद्रमा का एक नाम सोम भी है, उन्होंने भगवान शिव को ही अपना नाथ मानकर यहां तपस्या की थी। अतः इस ज्योतिर्लिंग को सोमनाथ कहा जाता है। इसके दर्शन, पूजन, आराधना से भक्तों के जन्म जन्मांतर के सारे पालक और दुष्कृत्य विनष्ट हो जाते हैं। वे भगवान शिव और माता पार्वती की अक्षय कृपा का पात्र बन जाते हैं। मोक्ष का मार्ग उनके लिये सहज ही सुलभ हो जाता है। उनके लौकिक-पारलौकिक सारे कृत्य स्वयमेव, अनायास सफल हो जाते हैं।

# क्या प्रेग्नेंसी में केसर खाने से गोरा होता है बच्चा? कभी न करें 5 अफवाहों पर यकीन, डॉक्टर बोलीं- सच जान लें महिलाएं

प्रेग्नेंसी को लेकर हमारे समाज में कई तरह के मिथक हैं. लोगों को लगता है कि ये मिथक सही हैं, लेकिन डॉक्टर इन्हें पूरी तरह गलत बताते हैं. प्रेग्नेंसी में महिलाओं को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह माननी चाहिए. इससे महिला और बच्चा दोनों सुरक्षित रहेंगे.

पुराने जमाने से लोगों का मानना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान केसर खाने से होने वाले बच्चे का रंग गोरा होता है. सोशल मीडिया पर भी तमाम ऐसे वीडियो देखे जा सकते हैं, जिनमें प्रेग्नेंसी को लेकर अलग-अलग दावे किए जाते हैं. कई वीडियोज में यह भी बताया जाता है कि कैसे प्रेग्नेंट महिलाओं का पेट का आकार देखकर बच्चे के लिंग का पता लगाया जा सकता है. हालांकि इस तरह की बातों को डॉक्टर अफवाह बताते हैं और सिरे से खारिज करते हैं. इसके अलावा प्रेग्नेंट महिलाओं को लेकर लोग कई सलाह भी देते हैं, जिनमें कहा जाता है कि प्रेग्नेंसी में एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए और दो लोगों के बराबर खाना चाहिए. ये सभी बातें महिलाओं में कंफ्यूजन पैदा कर देती हैं. ऐसे में इन सभी बातों की हकीकत जानना जरूरी है.

**Myth- गर्भावस्था के दौरान केसर खाने से बच्चे का रंग गोरा होता है**

**Fact-** दिल्ली के फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. वंदना सोढ़ी के मुताबिक केसर खाने से बच्चे के रंग पर कोई फर्क नहीं पड़ता है. केसर से बच्चे का रंग गोरा होगा, यह कहना गलत है. यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध नहीं हुआ है. बच्चे के बाल, त्वचा और आंखों का रंग आनुवांशिक रूप से निर्धारित होता है.

**Myth- प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को दो लोगों के लिए खाना चाहिए.**

**Fact-** प्रेग्नेंट महिलाओं को संतुलित पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना चाहिए. उन्हें हर दिन 200 अतिरिक्त कैलोरी की जरूरत होती है, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि प्रेग्नेंसी में महिलाएं दो लोगों के बराबर खाना खाएं. प्रेग्नेंसी में महिलाओं को फल और सब्जियों से भरपूर हेल्दी डाइट लेनी चाहिए. इसके अलावा जंक फूड अवॉइड करना चाहिए.

**Myth- ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे आप शिशु का लिंग बता सकते हैं.**

**Fact-** पेट का आकार देखकर या अन्य किसी भी लक्षण से बच्चे के लिंग का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है. इतना ही नहीं, खट्टा-मीठा या कुछ स्पेशल फूड्स की इच्छा से बच्चे के जेंडर का पता नहीं चलता है. यह केवल जन्म के समय ही पता चलता है. ऐसे में आप किसी तरह की गलती न करें.

**Myth- प्रेग्नेंसी में गुनगुने पानी से नहीं नहाना चाहिए और एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए.**

**Fact-** प्रेग्नेंसी होने पर गुनगुने पानी से नहाना सुरक्षित होता है और इससे किसी तरह की परेशानी नहीं होती है. बात एक्सरसाइज यानी व्यायाम की करें, तो किसी ट्रेनर की देखरेख में एक्सरसाइज कर सकते हैं. हालांकि ऐसा आप तभी करें जब आपकी गर्भावस्था जटिल न हो. यानी कोई कॉम्प्लिकेशन न हो, तब एक्सरसाइज कर सकती हैं.

**Myth- मॉर्निंग सिकनेस केवल सुबह के समय ही होती है.**

**Fact-** डॉक्टर की मानें तो प्रेग्नेंसी के दौरान मतली और उल्टी दिन में कभी भी हो सकती है. यह सुबह के समय आम है और पहले तीन महीनों के बाद भी हो सकती है. इन चीजों से घबराने की जरूरत नहीं है. हालांकि अगर दिक्कत ज्यादा हो, तो डॉक्टर से मिलकर कंसल्ट करना चाहिए.

# ABVP के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन का अमित शाह करेंगे उद्घाटन, 10 हजार से ज्यादा छात्रों के शामिल होने की उम्मीद

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आठ दिसंबर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 60वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करेंगे। एबीवीपी ने कहा कि इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से 10000 से अधिक छात्रों के भाग लेने की उम्मीद है। विद्यार्थी परिषद का यह राष्ट्रीय अधिवेशन 10 दिसंबर तक चलेगा। अधिवेशन में चित्रों के जरिये दिल्ली के इतिहास और छत्रपति शिवाजी के हिंदवी स्वराज को दिखाया जाएगा।

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आठ दिसंबर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 60वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करेंगे। एबीवीपी ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी दी है। विद्यार्थी परिषद का राष्ट्रीय सम्मेलन 10 दिसंबर तक चलेगा।

**डीडीए ग्राउंड में होगा अधिवेशन**

अमित शाह आठ दिबंसर को सुबह 11 बजे दिल्ली में बुराड़ी के डीडीए ग्राउंड में नवनिर्मित टेंट सिटी इंद्रप्रस्थ नगर में अमृत महोत्सव राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एबीवीपी ने कहा कि इस अधिवेशन में विभिन्न राज्यों से 10,000 से अधिक छात्रों के भाग लेने की उम्मीद है।

**दिखाया जाएगा दिल्ली का इतिहास**

अधिवेशन में चित्रों के जरिये दिल्ली के इतिहास और छत्रपति शिवाजी के हिंदवी स्वराज को दिखाया जाएगा। सात दिसंबर से होने वाले अधिवेशन में थीम आधारित प्रदर्शनी लगाई जा रही है। इसमें छात्रों द्वारा बनाई कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी।

**दत्ताजी डिडोलकर को समर्पित होगी प्रदर्शनी**

प्रदर्शनी एबीवीपी के संस्थापक सदस्य रहे दत्ताजी डिडोलकर को समर्पित होगी। इसमें एक पूरा हाल प्रदर्शनी को समर्पित होगा। करीब दो हजार वर्ग फीट क्षेत्र वाले सभागार का नाम भी दत्ताजी डिडोलकर के नाम पर होगा। इसमें विभिन्न कला महाविद्यालयों के 200 छात्रों द्वारा तैयार की गईं 160 कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी।

एबीवीपी के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशुतोष सिंह ने कहा, प्रदर्शनी के लिए आठ थीम रखी गई हैं। इनमें छत्रपति शिवाजी महाराज व हिंदवी स्वराज, दिल्ली का वास्तविक इतिहास, स्वाधीनता आंदोलन की गौरवगाथा, विश्वगुरु भारत, विद्यार्थी परिषद का 75 वर्षों का इतिहास, विविध क्षेत्रों में एबीवीपी के आयामों के कार्य, राष्ट्रीय एकात्मता, पर्यावरण आदि विषय केंद्र में रहेंगे।

## राउज एवेन्यू कोर्ट से AAP नेता को झटका, अदालत ने 11 दिसंबर तक बढ़ाई संजय सिंह की न्यायिक हिरासत

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित संजय सिंह की न्यायिक हिरासत को दिल्ली की एक अदालत ने 11 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। ईडी ने उन्हें न्यायिक हिरासत पूरी होने के बाद सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया जहां से अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एमके नागपाल ने 11 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

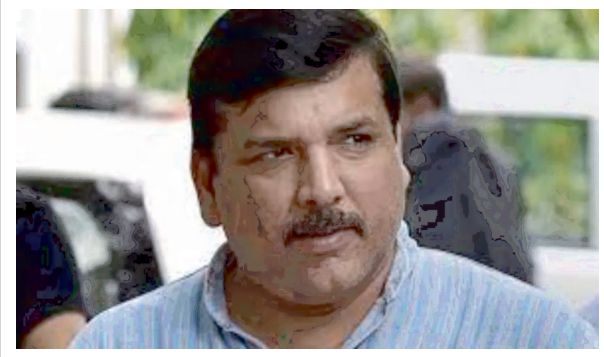

**नई दिल्ली।** दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित संजय सिंह की न्यायिक हिरासत को दिल्ली की एक अदालत ने 11 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। ईडी ने उन्हें न्यायिक हिरासत पूरी होने के बाद सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एमके नागपाल ने 11 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बता दें कि ईडी ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को पूछताछ के बाद चार अक्टूबर, 2023 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद अदालत ने उन्हें 13 अक्टूबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। तभी संजय सिंह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।

## चंद रुपयों के लिए भाई ने उजाड़ दी बहन की मांग, पहले शराब पिलाई; फिर ईंट से कुचलकर की जीजा की हत्या

बाहरी जिला पुलिस आयुक्त जिम्मी चिरम ने बताया कि शनिवर दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस को स्वर्ण पार्क में एक युवक की हत्या की सूचना मिली। मौके पर पुलिस ने पाया कि एक कमरे में युवक का शव पड़ा हुआ था। मृतक की पहचान बरेली के कैरा गांव निवासी 40 वर्षीय नरेश के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की।

**दिल्ली।** नांगलोई थाना क्षेत्र में एक युवक ने ईंट से कुचलकर अपने जीजा की हत्या कर दी। उधार के 1500 रुपये ना लौटाने पर युवक ने पहले अपने जीजा को शराब पिलाई। फिर वारदात अंजाम को देकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान मुंडका के स्वर्ण पार्क निवासी 38 वर्षीय महेंद्र उर्फ भोलू के तौर पर हुई है। निशानदेही पर खून से सने कपड़े और हत्या में इस्तेमाल टूटी हुई ईंट बरामद की है।

**कैरा के नरेश के रूप में हुई मृतक की पहचान**

बाहरी जिला पुलिस आयुक्त जिम्मी चिरम ने बताया कि शनिवर दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस को स्वर्ण पार्क में एक युवक की हत्या की सूचना मिली। मौके पर पुलिस ने पाया कि एक कमरे में युवक का शव पड़ा हुआ था। मृतक की पहचान बरेली के कैरा गांव निवासी 40 वर्षीय नरेश के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की।

पता चला कि मृतक नरेश इलाके में कूड़ा बीनने का काम करता था। मृतक को घटना से पहले आखिरी बार उसके एक दोस्त ने महेंद्र उर्फ भोला के साथ देखा था। महेंद्र उर्फ भोला की तलाश की गई तो पता चला कि वह फरार है। उसके घर पर छापेमारी की लेकिन नहीं मिला। पुलिस ने करीब 100 से अधिक कैमरों की जांच कर आरोपी के रूट का पता लगाया।

**बार-बार कहने के बावजूद नहीं लौटा रहा था रुपये**

पुलिस ने इस आधार पर रविवार को आरोपी को गणपति धर्म कांटा मुंडका के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक उसकी सगी चचेरी बहन का पति था। मृतक ने उससे 15 सौ रुपये उधार लिए थे। बार-बार मांगने के बावजूद वह पैसे वापस नहीं कर रहा था। इसलिए उसने बहनोई की हत्या की साजिश रची।

# राघव चड्ढा की 115 दिन बाद सदस्यता बहाल, राज्यसभा में फिर से नजर आएंगे आप सांसद

परिवहन विशेष न्यूज

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की सदस्यता बहाल हो गई। अब वह फिर से राज्यसभा में नजर आएंगे। राघव चड्ढा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मुझे खुशी है कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया है और मैं सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं।

**नई दिल्ली।** आम पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की सदस्यता को बहाल कर दिया है। राज्यसभा की ओर से आप सांसद का निलंबन वापस ले लिया गया। राघव चड्ढा की सदस्यता बहाल करने के लिए राज्यसभा में प्रस्ताव पारित किया। राज्यसभा की सदस्य बहाल होने पर राघव चड्ढा ने खुशी जताई है।

**11 अगस्त को किया गया था निलंबित**

आप सांसद ने कहा कि 11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। मैं अपने निलंबन को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मुझे खुशी है कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया है और मैं सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं।

खास बात है कि राघव चड्ढा की सदस्यता संसद के मानसून सत्र के दौरान निलंबित कर दी गई थी। उन्हें शिकायतों के बाद विशेषाधिकार के उल्लंघन के लिए इस साल 11 अगस्त को उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था।

**आप सांसद पर क्या थे आरोप**

आप सांसद पर आरोप था कि उन्होंने पांच राज्यसभा सांसदों का नाम प्रवर समिति में शामिल करने से पहले उनकी सहमति नहीं ली थी। आप नेता के निलंबन मामले पर चर्चा के लिए सोमवार दोपहर संसद में राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति की बैठक हुई।

**आप सांसद ने कहा कि 11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। मैं अपने निलंबन को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मुझे खुशी है कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया है...**

# 30 प्रतिशत रिटर्न का झांसा देकर करोड़ों रुपये लेकर भागा दुकानदार, 100 से ज्यादा लोगों को लगाया चूना

कमेटी के पैसों पर 24 से 30 प्रतिशत रिटर्न देने का झांसा देकर एक शातिर ने आसपास के करीब 100 लोगों से चार करोड़ से ज्यादा रुपये इकट्ठा किए व फिर घर बेचकर और उनके पैसे लेकर फरार हो गया। रोहिणी इलाके के विजय विहार के सिक्योरिटी गार्ड महिला बुजुर्ग व्यवसायी उसकी नौ महीने से तलाश कर रहे हैं लेकिन ठग का कोई अता पता नहीं है।

**नई दिल्ली।** कमेटी के पैसों पर 24 से 30 प्रतिशत रिटर्न देने का झांसा देकर एक शातिर ने आसपास के करीब 100 लोगों से चार करोड़ से ज्यादा रुपये इकट्ठा किए व फिर घर बेचकर और उनके पैसे लेकर फरार हो गया। रोहिणी इलाके के विजय विहार के सिक्योरिटी गार्ड, महिला, बुजुर्ग, व्यवसायी उसकी नौ महीने से तलाश कर रहे हैं, लेकिन ठग का कोई अता पता नहीं है।

**आर्थिक अपराध शाखा ने शुरू की जांच**

ठग की पहचान विजय विहार के पवन सिंह चौधरी के रूप में हुई है। 18 लोगों से करीब एक करोड़ रुपये की ठगी की शिकायत प्राप्त होने के बाद आर्थिक अपराध शाखा ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। 18 वो लोग हैं, जो पुलिस के पास पहुंचे हैं। उनके अलावा और भी काफी ऐसे लोग हैं जो पुलिस के पास पहुंच ही नहीं पाए।

रोहिणी स्थित विजय विहार के रहने वाले लोगों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि विजय विहार के पवन सिंह चौधरी अपने घर के नीचे किरयाना की दुकान चलाता था।सभी लोग उनकी दुकान से दूध, चीनी आदि खाद्य पदार्थ भी खरीदते थे। पवन सिंह चौधरी यहां पर 25 वर्ष से रह रहा था।

जब भी कोई ग्राहक उनके पास आता था तो वह उसे कमेटी डालने को कहता था। उन्हें 24 से 30 प्रतिशत रिटर्न मिलने का लालच दिखाकर कई स्कीम के बारे में बताता था। इसके बाद वह लोगों को अपना पैसा बैंक में डालने की बजाय कमेटी में लगाने को कहता था। इसी लालच में लोग उनके पास कमेटी में पैसा लगाने लगे।पहले वह लोगों को कहे अनुसार पैसे समय पर देता था।

ऐसा करके धीरे धीरे उसने आसपास के लोगों का विश्वास जीत लिया।इसके बाद लोग उनके पास कमेटी में पैसा लगाने लगे। शुरुआत में वह लोगों से कमेटी की किश्ते लेता था और लोगों को पैसे भी दे रहा था, लेकिन धीरे-धीरे उसने लोगों को पैसे देने बंद कर दिए। लोग जब भी उससे पैसे मांगते थे तो वह उन्हें 24-30 प्रतिशत अधिक ब्याज के साथ उनके पैसे देने का वादा करता था।

**कमेटी के लिए लेता था रुपये**

सितंबर-अक्टूबर 2022 के आसपास उसने कमेटी के पैसे लोगों को देने बंद कर दिए। कोई न कोई झांसा देकर वह लोगों से कमेटी डलवाता रहा। इसके बाद मार्च में वह अपना घर दुकान सब बेचकर भाग गया।

15 से 20 कमेटी एक बार में चलाता था आरोपी पवन चौधरी 15 से 20 कमेटी चलाता था। वह तीन लाख रुपये की कमेटी के लिए 20 महीने तक 20 लोगों से 15-15 हजार रुपये लेता था।

कमेटी की पहली किस्त की राशि को वह अपने पास रखता था और इसके बाद जो भी कमेटी के लिए ज्यादा पैसे की बोली लगाता था, उसे पैसे मिल जाते थे। इससे दूसरों को कम पैसे का भुगतान करना पड़ता था।

कुआं पूजन की बात कह विजय विहार से निकला था आरोपी आसपास के लोगों ने बताया कि पहले वह साइकिल पर चलता था और पत्नी व तीन बच्चों (एक लड़की व दो लड़के) के साथ रहता था। उसकी छोटी सी दुकान थी। जैसे ही उसने कमेटी का काम करना शुरू किया।

उसने दुकान भी बढ़ा ली थी। दूध की आपूर्ति भी करने लगा था। कार भी ले ली थी। वह कमेटी डालने के साथ इनसेंटिव भी देता था। इसके बाद उसने अपनी बेटी की शादी कर दी। मार्च में उसने आसपास के लोगों को पता लगे बिना ही घर बेच दिया। दो बेटे व पत्नी के साथ कार में सवार होकर जाते समय पवन आसपास के लोगों को कहकर गया था कि उनकी रिश्तेदारी में कुआं पूजन है और वह वहीं पर जा रहा है। जल्द ही वह वापस आएगा, लेकिन वह वापस नहीं आया।

**'आरोपी को दे दी पूरी जिंदगी की कमाई'**

आरोपी काफी समय से यहां पर किराने की दुकान चला रहा था। वह दूध की आपूर्ति भी करता था। इस वजह से किसी को उस पर शक नहीं था। उसके बताए अनुसार मैं हर महीने कमेटी की किस्त आरोपी को देता था। मार्च में पता लगा कि आरोपी मेरे चार लाख रुपये लेकर फरार हो गया। वह कहता था कि कमेटी के पैसों को वह किसी चेन सिस्टम में लगाता है। इसलिए लोगों को इतना रिटर्न देता था। ठगी का अहसास होने पर पुलिस को शिकायत की।

**- सोनू मेहंदीरत्ता**

मेरे साढ़े आठ लाख रुपये लेकर आरोपी फरार हो गया। मेरी पूरी जिंदगी की कमाई मैंने आरोपी पवन को दे दी थी। सोचा था कमेटी का पैसा आएगा तो घर की मरम्मत करवाऊंगा, लेकिन वह पैसे लेकर भाग गया। 67 लोगों की सूची उन लोगों की बनाई गई थी, जो पैसे लेने के लिए उसके घर आए थे। उनसे करीब चार करोड़ रुपये की ठगी की गई है। इसके अलावा और भी काफी लोग हैं, जो अलग-अलग थानों के चक्कर लगा रहे हैं। मेरे रिश्तेदारों से भी लाखों रुपये की ठगी की गई है।

**- सतीश कुमार**

मैं फतेहपुरी में कपड़ों पर प्रेस करने का काम करता हूं। ससूराल वालों के कहने पर हर महीने 15 हजार रुपये की कमेटी की किश्त भरता था। मार्च में पता लगा कि पवन पैसे लेकर भाग गया है। पेट काट-काटकर पैसे जोड़े थे।

**- शिव कुमार**

मैं आरोपी पवन को दस से 12 वर्ष से जानती थी। उसकी दुकान से दूध लेकर आती थी। कई बार वह खूद भी दूध व अन्य सामान की होम डिलीवरी कर देता था। उसके पास 50 हजार, एक लाख रुपये की कमेटी डाली थी।जिसके पैसे मिल गए थे। आखिर की कमेटी के तीन लाख रुपये लेकर वह भाग गया। उसने बहुत बड़ा धोखा किया है। मेरी देवरानी के भी तीन लाख से ज्यादा रुपये लेकर भाग गया।

***- काजल***

## 'मैं भी केजरीवाल' अभियान के चौथे दिन लोगों से मिलने पहुंचे सौरभ भारद्वाज, AAP नेता ने पूछे सवाल

दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता हर रोज दिल्ली के अलग-अलग वार्ड में जाकर मैं भी केजरीवाल अभियान में लोगों रायशुमारी कर रहे हैं। सोमवार को इस अभियान में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हिस्सा लिया और लोगों ने सवालों के जवाब जाने। इस अभियान में सौरभ से पहले आतिशी और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भी भाग लिया था।

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार के मंत्री और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता हर रोज दिल्ली के अलग-अलग वार्ड में जाकर मैं भी केजरीवाल अभियान में लोगों रायशुमारी कर रहे हैं। सोमवार को इस अभियान में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हिस्सा लिया और लोगों ने सवालों के जवाब जाने।

**इस्तीफा दे या जेल से ही चलाए सरकार**

उन्होंने हस्ताक्षर अभियान मैं भी केजरीवाल में हिस्सा लेने की जानकारी देते हुए बताया कि मैं भी केजरीवाल जनमत संग्रह के चौथे दिन जनता के समक्ष जाकर पूछा कि ईडी द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद इस्तीफा दे? या जेल से ही सरकार चलाए। केजरीवाल सरकार के इस अभियान में सौरभ से पहले आतिशी और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भी भाग लिया था और लोगों से कई सवालों को जवाब जाने थे।

**सभी MCD वार्ड में चलेगा अभियान**

इस अभियान में आप सरकार के मंत्री और कार्यकर्ता नगर निगम के 250 वार्ड में लोगों के घर-घर जाकर मैं भी केजरीवाल अभियान में लोगों से पूछा कि क्या मोदी जी भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं। क्या केजरीवाल को गिरफ्तारी के बाद इस्तीफा दे देना चाहिए या जेल से ही सरकार चलानी चाहिए है।

इन सभी सवालों के जवाबों और हर घर का ब्योरा एक बुकलेट में दर्ज किया जा रहा है। साथ ही गोपाल राय ने लोगों शराब घोटाले के बारे में जानकारी देते हुए बता रहे हैं कि यह घोटाला फर्जी है।

**हस्ताक्षर अभियान के बाद करेंगे लोगों से रायशुमारी**

एक दिसंबर से शुरू हुआ आप का 'मैं भी केजरीवाल' हस्ताक्षर अभियान 20 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान में आप सरकार के मंत्री, विधायक, पार्षद और पदाधिकारी दिल्ली के 2600 पोलिंग स्टेशनों में घर-घर जाएंगे और लोगों से चर्चा कर उनकी राय जानेंगे। इसके बाद 21 से 24 दिसंबर तक विधायक और पार्षद सभी वार्डों में जनसंवाद करके भी जनता की राय लेंगे।

# सो रहे अधिकारी, कब्जा हो रहा जीडीए का 50 लाख का भूखंड

**स्थानीय लोगों द्वारा जीडीए में कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन जीडीए के प्रवर्तन व अभियंत्रण अनुभाग कार्रवाई करने के बजाय गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल रहे हैं। वर्तमान में मौके पर युद्धस्तर पर अवैध कब्जा करने के लिए निर्माण चल रहा है लेकिन जीडीए के दोनों अनुभाग प्राधिकरण की जमीन कब्जा मुक्त कराने के बजाय एक परिसर में बैठकर चिट्ठीबाजी करने में व्यस्त हैं।**

परिवहन विशेष न्यूज

**गाजियाबाद।** एक तरफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारी अक्सर आर्थिक तंगी का रोना रोते रहते हैं। दूसरी तरफ प्राधिकरण के भूखंड व जमीन पर माफिया खुलेआम कब्जा कर रहे हैं, लेकिन जीडीए अधिकारी कार्रवाई करने की बजाय आंखे बंद किए बैठे हैं। मिलीभगत होने के चलते भूखंड पर कब्जा करने वाले के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है।

विजयनगर सेक्टर-नौ

विजयनगर में ए-564 भूखंड जीडीए से किसी को आवंटित नहीं हुआ है। पूर्व में इस भूखंड पर ट्रांसफार्मर रखा हुआ था। कॉलोनी के बीच से ट्रांसफार्मर हटने के बाद यह भूखंड खाली हो गया, जिस पर अब भू-माफिया कब्जा कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों द्वारा जीडीए में कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन जीडीए के प्रवर्तन व अभियंत्रण अनुभाग कार्रवाई करने के बजाय गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल रहे हैं। वर्तमान में मौके पर युद्धस्तर पर अवैध कब्जा करने के लिए निर्माण चल रहा है, लेकिन जीडीए के दोनों अनुभाग प्राधिकरण की जमीन कब्जा मुक्त कराने के बजाय एक परिसर में बैठकर चिट्ठीबाजी करने में व्यस्त हैं।

इससे दोनों अनुभागों के अधिकारियों की कार्यशैली का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। जीडीए मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने बताया कि प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा किए जाने का मामला संज्ञान में नहीं था। संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। साथ में प्राधिकरण के भूखंड को तत्काल कब्जा मुक्त कराया जाएगा।

**पहले भी बेची जा चुकी है जीडीए की अधिगृहित जमीन**

मधुबन-बापूधाम योजना में जीडीए द्वारा अधिगृहित जमीन बेचने का मामला पूर्व में सामने आ चुका है। यही नहीं जमीन बेचने के बाद 16 करोड़ मुआवजा लेने का प्रयास कर जीडीए को आर्थिक क्षति पहुंचाने का प्रयास भी किया गया। यह प्रकरण भी जीडीए व प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के कारण हुआ था।

दरअसल, उक्त योजना के लिए सदरपुर गांव के खसरा नंबर-1739 की 1.056 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण वर्ष 2004 में हुआ था। अधिग्रहण के खिलाफ वर्ष 2005 में उक्त खसरा नंबर के मालिकों ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की।

वर्ष 2010 में हाई कोर्ट ने जीडीए के पक्ष में फैसला सुनाया तो किसानों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। नवंबर 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने किसानों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए नए भू-अधिग्रहण कानून के हिसाब से मुआवजा देने के आदेश दिए।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक खसरा नंबर 1739 के मालिक उपरोक्त जमीन को अन्य लोगों को बेच चुके हैं। वर्तमान में मौके पर 100 से ज्यादा मकान व काफी संख्या में बने हैं। जिनमें सैकड़ों की संख्या में लोग रह रहे हैं। इन्हें हटाकर कब्जा लेना संभव नहीं है।

प्राधिकरण व प्रशासनिक अधिकारियों ने उपरोक्त लोगों से साठगांठ कर स्थलीय निरीक्षण किए बिना उसी जमीन का 16 करोड़ रुपये मुआवजा बना दिया। मामला गौतमबुद्ध नगर ट्रिब्यूनल में विचाराधीन है।

# बैंक्वेट हॉल में लगी भीषण आग, दमकल की चार गाड़ियों ने पाया काबू

वसुंधरा सेक्टर के बैंक्वेट हॉल में सोमवार को दिन में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। फंसे में लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जिस वक्त हॉल में आग लगी उस दौरान एक दंपति की साल गिरह कार्यक्रम रहा था। कार्यक्रम में मौजूद करीब 50-60 लोगों को भी सुरक्षित निकाल लिया गया।

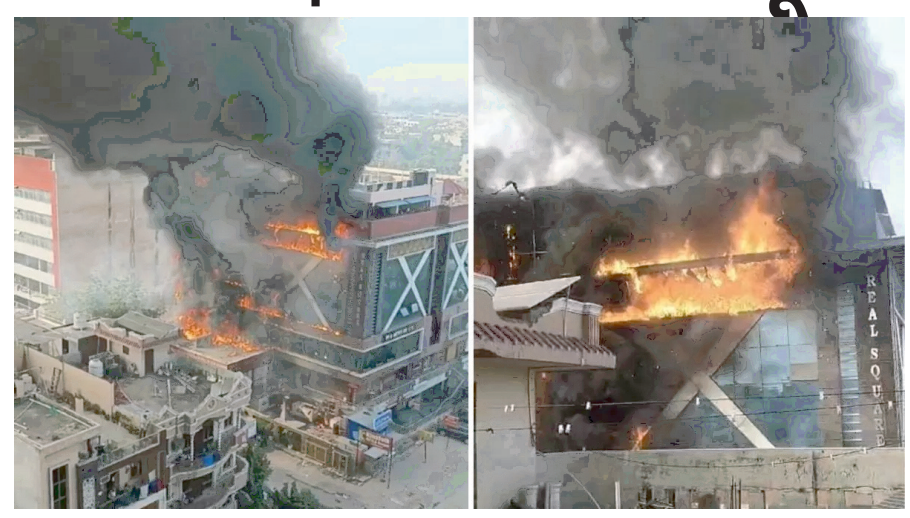

**गाजियाबाद।** वसुंधरा सेक्टर के बैंक्वेट हॉल में सोमवार को दिन में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। फंसे में लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। वहीं, एक दरवाजा तोड़ने के दौरान चौकी इंचार्ज भी घायल हो गए।

सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि दोपहर 02 बजकर 10 मिनट पर बैंक्वेट हॉल में आग लगने के बारे में सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ी वैशाली फायर स्टेशन और एक गाड़ी साहिबाबाद स्टेशन से मौके पर पहुंची।

ऊपर फंसे 5-6 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा जिस वक्त हॉल में आग लगी, उस दौरान एक दंपति की साल गिरह कार्यक्रम रहा था। कार्यक्रम में मौजूद करीब 50-60 लोगों को भी सुरक्षित निकाल लिया गया। आग तीन फ्लोर तक लगी थी, जिस पर काबू पा लिया गया है।

# रिश्तेदार ने महिला से शारीरिक संबंध बनाने का बनाया दबाव, पति को दी गला काटने की धमकी

कोतवाली क्षेत्र में महिला ने अपनी रिश्तेदारी के एक युवक पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि युवक ने दोनों के बीच की बातचीत का ऑडियो प्रसारित कर दिया है। महिला के पति और देवर के साथ भी आरोपित मारपीट कर चुका है। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

**गाजियाबाद।** कोतवाली क्षेत्र में महिला ने अपनी रिश्तेदारी के एक युवक पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि युवक ने दोनों के बीच की बातचीत का ऑडियो प्रसारित कर दिया है। महिला के पति और देवर के साथ भी आरोपित मारपीट कर चुका है। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी रिश्तेदारी के एक युवक से बातचीत होती थी। आरोपित ने बातचीत रिकॉर्ड कर ली और रिश्तेदारों में प्रसारित कर दी। आरोपित युवक महिला से संबंध बनाने का दबाव बना रहा है।

**पति को दी गला काटने की धमकी**

महिला ने मना किया तो चार अक्टूबर को उनके पति के साथ फोन पर अभद्र व्यवहार करते हुए गला काटने की धमकी दी। कुछ दिन बाद 25 अक्टूबर को महिला के देवर को मारने का प्रयास किया। 20 नवंबर को आरोपित युवक तीन-चार साथियों के साथ आया और मारपीट शुरू कर दी।

**महिला के ससुर को धमकाया**

महिला के ससुर की कनपटी पर तमंचा भी लगाने का आरोप लगाया गया है। महिला को खींचकर कमरे में लेकर जाने का प्रयास करने लगे। परिवार के अन्य लोगों ने शोर मचाया तो आरोपित धमकी देते हुए फरार हो गए।

एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## ऊंची इमारतों में आग बुझाने की टेंशन होगी खत्म, जल्द शुरू होगी मशीनरी खरीदने की प्रक्रिया

साइबर सिटी गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों की गगनचुंबी इमारतों में आग लगने पर तुरंत काबू पाया जा सकेगा। प्रदेश के दमकल बेड़े को मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। शहरों के लिए 13 हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और टर्नटेबल लैडर खरीदने की स्वीकृति सरकार से मिल गई है। 150 से 200 मीटर ऊंची इमारतों का निर्माण शहर में हो रहा है।

**गुरुग्राम।** साइबर सिटी गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों की गगनचुंबी इमारतों में आग लगने पर तुरंत काबू पाया जा सकेगा। प्रदेश के दमकल बेड़े को मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। शहरों के लिए 13 हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और टर्नटेबल लैडर खरीदने की स्वीकृति सरकार से मिल गई है।

खास बात यह है कि 90 मीटर ऊंचाई पर पहुंचने की क्षमता वाला हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और टर्नटेबल लैडर गुरुग्राम को भी मिलेगी। गुरुग्राम में अग्निशमन विभाग के पास फिलहाल 42 मीटर ऊंचाई का हाइड्रोलिक प्लेटफार्म है। 150 से 200 मीटर ऊंची इमारतों का निर्माण शहर में हो रहा है।

ऐसे में हाईराइज या गगनचुंबी इमारतों में लगी आग को बुझाने और लोगों को रेस्क्यू करने में दमकलकर्मियों को परेशानी होती है। गुरुग्राम शहर में सिर्फ डीएलएफ बिल्डर प्रबंधन के पास 90 मीटर क्षमता का हाइड्रोलिक प्लेटफार्म है। प्रदेश में ऊंची इमारतों वाले शहरों गुरुग्राम, पंचकूला, पानीपत, सोनीपत, मानेसर, फरीदाबाद, रेवाड़ी और बहादुरगढ़ को हाइड्रोलिक प्लेटफार्म दिए जाएंगे।

**मशीनरी खरीदने की प्रक्रिया होगी शुरू**

हाइड्रोलिक प्लेटफार्म 42 मीटर, 55 मीटर, 70 मीटर और 90 मीटर ऊंचाई वाले होंगे। इसके अलावा 55 मीटर क्षमता के टर्नटेबल लैडर भी खरीदे जाएंगे। गुरुग्राम और पंचकूला में ही 42 मीटर क्षमता के हाइड्रोलिक प्लेटफार्म है।

**गुरुग्राम में 700 से ज्यादा बिल्डिंग**

गुरुग्राम में 700 से ज्यादा हाईराइज बिल्डिंग हैं। इन बिल्डिंग में आग बुझाने के लिए इमारत के अंदर ही स्प्रिंकलर लगे होते हैं। आग लगने के बाद बिल्डिंग के अंदर का तापमान बढ़ने के साथ ही स्प्रिंकलर चालू हो जाते हैं और पानी से आग बुझ जाती है, लेकिन यह देखने में आया है कि कई बिल्डिंग का फायर सिस्टम ठीक तरह से काम नहीं करने के कारण आग से जान-माल का भारी नुकसान हो जाता है। लोगों को रेस्क्यू करने और आग बुझाने के लिए हाइड्रोलिक प्लेटफार्म की जरूरत पड़ती है।

*प्रदेश के लिए हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और टर्नटेबल लैडर खरीदने के लिए सरकार से मंजूरी मिल गई है। जल्द ही इनको खरीदने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।*

***गुलशन कालरा, उप निदेशक (तकनीकी) अग्निशमन विभाग***

## अरावली पहाड़ी पर दो कंकाल मिलने से सनसनी, पुरुष के हाथ-पैर और खोपड़ी मिली अलग

*गुरुग्राम में सोमवार को दो कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया है। इनमें एक कंकाल महिला का है जबकि एक पुरुष का बताया जा रहा है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। दोनों कंकालों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एक कंकाल आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र के सेक्टर-8 मारूति गेट नंबर-4 से तीन किलोमीटर दूर जंगल में मिला है।*

**गुरुग्राम।** गुरुग्राम में सोमवार को दो कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया है। इनमें एक कंकाल महिला का है, जबकि एक पुरुष का बताया जा रहा है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। दोनों कंकालों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एक कंकाल आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र के सेक्टर-8 मारूति गेट नंबर-4 से तीन किलोमीटर दूर जंगल में मिला है, जो एक 30 वर्षीय पुरुष बताया जा रहा है। कंकाल तीन हिस्सों में हो चुका था। इसके पैर, हाथ और खोपड़ी अलग-अलग पाई गई।

# नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने और राजीव गांधी के रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में बढ़ रहे हैं मोदी

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाल राजनीतिक कद जैसा कोई अन्य नेता किसी भी पार्टी के पास नहीं है। मोदी जिस तरह से अपने बलबूते अपनी पार्टी को किसी भी राज्य का या केंद्र का चुनाव जिता सकते हैं उतनी राजनीतिक क्षमता किसी अन्य नेता में नजर नहीं आती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से खुश होकर ऐलान किया कि इस हैट्रिक ने 2024 की हैट्रिक की गारंटी दे दी है तो उत्साहित भाजपा सांसदों ने संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी के सामने 'तीसरी बार मोदी सरकार' और 'बार बार मोदी सरकार' का नारा लगा कर देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा दिया। देखा जाये तो 2024 का लोकसभा चुनाव होने में तीन-चार महीने का समय बचा है। इसलिए अगला चुनाव जीतने के लिए जहां भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है वहीं विपक्ष भी एकजुट होकर पूरा जोर लगा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने कामकाज और देश के लिए हासिल की गयी उपलब्धियों पर जनता का समर्थन एक बार फिर मिलने की उम्मीद है। हम आपको बता दें कि मोदी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में राम मंदिर बनाने, अनुच्छेद 370 हटाने, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से आजादी दिलाने, देश की महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने, सीएए लाने, देश की सीमाई सुरक्षा को मजबूत बनाने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने समेत कई अन्य वादे किये थे जिन्हें पूरा कर उन्होंने 'मोदी की गारंटी' शब्द को सार्थक सिद्ध कर दिया है।

देखा जाये तो भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाल राजनीतिक कद जैसा कोई अन्य नेता किसी भी पार्टी के पास नहीं है। मोदी जिस तरह से अपने बलबूते अपनी पार्टी को किसी भी राज्य का या केंद्र का चुनाव जिता सकते हैं उतनी राजनीतिक क्षमता किसी अन्य नेता में नजर नहीं आती। मोदी की बातों और वादों पर जितना विश्वास देश की जनता करती है वैसी साख किसी अन्य नेता की बातों और वादों की नहीं है। मोदी अगर जनता से वादे पूरे होने की गारंटी हैं तो मोदी भाजपा के लिए भी जीत की गारंटी हैं। देश की राजनीतिक परिस्थितियां दर्शा रही हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए संभवतः 2019 से भी ज्यादा अच्छे परिणाम ला सकता है। लेकिन भाजपा सिर्फ अच्छे चुनावी परिणाम के लिए काम नहीं कर रही है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को दूसरों की ओर से कायम पुराने रिकॉर्ड तोड़ने और नये रिकॉर्ड बनाने का ऐसा जुनून सवार है कि वह 2024 में एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी करने और एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए काम कर रही है।

हम आपको बता दें कि भाजपा यदि 2024 के लोकसभा चुनावों को भी जीत जाती है तो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के लगातार तीन बार देश का प्रधानमंत्री बनने के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इसके साथ ही भाजपा 2024 में 1984 के संसदीय चुनावों में राजीव गांधी को मिली 404 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसीलिए भाजपा नेताओं ने नारा दे भी दिया है कि 'अबकी बार 400 पार'। देखा जाये तो नारा देना आसान है लेकिन उसे हकीकत में बदलना बेहद कठिन है, लेकिन आज के राजनीतिक दौर की एक सच्चाई यह भी है कि मोदी है तो मुमकिन है।

सवाल यह है कि 2024 में मोदी कैसे बनाएंगे नया रिकॉर्ड? कहां से आयेंगी 400 से ज्यादा सीटें? इन्हीं सवालों का जवाब तलाशने और आंकड़ों को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा बहुत पहले ही जमीन पर काम करना शुरू कर चुकी है। इस समय देखा जाये तो 13 राज्यों में भाजपा की अपने बलबूते सरकार है। इन राज्यों की संसदीय सीटों की बात करें तो उत्तर प्रदेश में 80, उत्तराखण्ड में पांच, असम में 14, छत्तीसगढ़ में 11, गोवा में 2, गुजरात में 26, हरियाणा में 10, मध्य प्रदेश में 29, महाराष्ट्र में 48, मणिपुर में 2, राजस्थान में 25, अरुणाचल प्रदेश में 2 और त्रिपुरा में 2 सीटें हैं। इसके अलावा भाजपा जिन राज्यों में गठबंधन सरकार में शामिल है उनमें मेघालय में 2, सिक्किम, नगालैंड और पुडुचेरी में 1-1 लोकसभा सीट शामिल हैं। यदि इन सीटों का कुल योग कर लें तो 261 सीटें बनती हैं। इसके अलावा यदि अन्य पार्टियों के शासन वाले राज्यों में भाजपा की लोकसभा सीटों की बात करें तो पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में दिल्ली, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और बिहार में भी शानदार प्रदर्शन किया था और अभी के हालात को देखें तो भाजपा इन राज्यों में अपने पिछले प्रदर्शन से ज्यादा अच्छे परिणाम 2024 में देने की स्थिति में नजर आ रही है। साथ ही यदि केंद्र शासित प्रदेशों की संसदीय सीटों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान एवं निकोबार, चंडीगढ़, दादरा और नागर हवेली में भी 2024 में भाजपा की जीत के आसार नजर आ रहे हैं।

> सवाल यह है कि 2024 में मोदी कैसे बनाएंगे नया रिकॉर्ड? कहां से आयेंगी 400 से ज्यादा सीटें? इन्हीं सवालों का जवाब तलाशने और आंकड़ों को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा बहुत पहले ही जमीन पर काम करना शुरू कर चुकी है। इस समय देखा जाये तो 13 राज्यों में भाजपा की अपने बलबूते सरकार है। इन राज्यों की संसदीय सीटों की बात करें तो उत्तर प्रदेश में 80, उत्तराखण्ड में पांच, असम में 14, छत्तीसगढ़ में 11, गोवा में 2, गुजरात में 26, हरियाणा में 10, मध्य प्रदेश में 29, महाराष्ट्र में 48, मणिपुर में 2, राजस्थान में 25, अरुणाचल प्रदेश में 2 और त्रिपुरा में 2 सीटें हैं।

इसके अलावा भाजपा जिस तरह दक्षिण के अन्य राज्यों में भी अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है उसके परिणाम खासतौर पर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में देखने को मिल सकते हैं क्योंकि हाल में कई चुनावों में भाजपा ने इन राज्यों में अपना वोट प्रतिशत भी बढ़ाया है और अपनी पार्टी के संगठन को भी दुरुस्त किया है।

देखा जाये तो एक बात साफ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा इतनी लंबी लकीर खींचने में विश्वास रखते हैं जहां तक कोई सोच भी नहीं सकता हो। इसलिए जब भाजपा ने 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया है तो उस पर विपक्ष को कोई हैरानी नहीं हो रही है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने तो कह भी दिया है कि भाजपा की नीति है कि वह नया रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं इसलिए यह राजीव गांधी के जमाने में कांग्रेस की ओर से बनाये गये रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं। यही नहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी विश्वास जता दिया है कि जितनी सीटें पिछले लोकसभा के चुनाव में आई थीं, इस बार उससे अधिक सीटों पर भाजपा विजय प्राप्त करेगी। पार्टी के अन्य नेता भी इसी तरह का विश्वास व्यक्त कर रहे हैं।

बहरहाल, साल 2023 की शुरुआत त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में चुनावी जीत के साथ और साल का अंत भी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनावी जीत के साथ करने वाली भाजपा के लिए 2024 कैसा रहेगा यह तो आने वाला वर्ष ही बतायेगा लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों से भाजपा का जोश एकदम हाई है।

# स्कोडा ने स्लाविया और कुशाक का नया वेरिएंट किया लॉन्च, जानिए कीमत और खासियत

**चेक ऑटो दिग्गज ने Skoda ने अपने दो फ्लैगशिप प्रोडक्ट Slavia और Kushaq के नया वेरिएंट पेश किया है। स्कोडा कुशाक और स्लाविया पहले से ही स्टैंडर्ड वेरिएंट के अलावा कई विशेष संस्करण संस्करणों के साथ पेश किए गए हैं। इसके चार वेरिएंट हैं जो मानक के अलावा पेश किए गए हैं। इनमें लावा ब्लू मैट संस्करण मोंटे कार्लो और ओनिक्स संस्करण शामिल हैं।**

**नई दिल्ली।** चेक ऑटो दिग्गज ने Skoda ने अपने दो फ्लैगशिप प्रोडक्ट Slavia और Kushaq के नया वेरिएंट पेश किया है। इसे Elegance नाम दिया गया है, जो मूल रूप से इन दोनों मॉडलों का एक नया ब्लैक एडिशन है। Skoda ने Kushaq Elegance को 18.31 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है, जो ऑटोमैटिक वर्जन के लिए 19.51 लाख रुपये तक जाती है।

वहीं, Slavia Elegance को 17.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर लॉन्च किया गया है और इसके ऑटोमैटिक वर्जन की कीमत 18.92 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

**Elegance Edition में क्या खास?**

स्कोडा ने कुशाक एसयूवी और स्लाविया सेडान दोनों को ऑल-ब्लैक थीम में पेश किया है। कुशाक एलिगेंस और स्लाविया एलिगेंस वेरिएंट कुछ कॉस्मेटिक अपडेट के साथ आएंगे, जो इसे मौजूदा वर्जन से अलग बनाते हैं। इनमें नए डुअल-टोन अलॉय व्हील, ग्रिल पर क्रोम गार्निश, स्टीयरिंग व्हील के साथ-साथ बी-पिलर पर एलिगेंस बैजिंग आदि शामिल हैं।

हुड के तहत, दोनों मॉडल स्कोडा के 1.5-लीटर टीएसआई पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित होंगे। कुशाक और स्लाविया एलिगेंस संस्करण मैनुअल और डीएसजी ट्रांसमिशन दोनों विकल्पों के साथ आएंगे।

**Slavia और Kushaq को मिलते हैं कई एडिशन**

स्कोडा कुशाक और स्लाविया पहले से ही स्टैंडर्ड वेरिएंट के अलावा कई विशेष संस्करण संस्करणों के साथ पेश किए गए हैं। इसके चार वेरिएंट हैं, जो मानक के अलावा पेश किए गए हैं। इनमें लावा ब्लू, मैट संस्करण, मोंटे कार्लो और ओनिक्स संस्करण शामिल हैं। लॉन्च होने वाला कुशाक और स्लाविया का आखिरी वेरिएंट ओनिक्स संस्करण और एम्बिशन प्लस था, जिसे इस साल की शुरुआत में त्योहारी अवधि के दौरान पेश किया गया था।

सितंबर में लॉन्च किया गया, कुशाक ओनिक्सप्लस वेरिएंट 11.59 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर आता है और इसे एसयूवी के एंट्री-लेवल संस्करण से एक ऊपर रखा गया है। 1.0-लीटर टीएसआई पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित, ये संस्करण नए 16-इंच के अलॉय व्हील, विंडो, ग्रिल और टेलगेट पर क्रोम इंसर्ट जैसे कॉस्मेटिक अपडेट के साथ आता है।

सितंबर में लॉन्च की गई स्लाविया एम्बिशन प्लस को 12.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर पेश किया गया है। मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ उपलब्ध, टॉप-एंड संस्करण की कीमत 13.79 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। स्लाविया एम्बिशन प्लस संस्करण में भी समान कॉस्मेटिक अपडेट मिलते हैं, जिनमें ज्यादातर क्रोम गार्निश शामिल हैं। हुड के तहत, ये 1.0-लीटर टीएसआई पेट्रोल यूनिट के साथ आती है।

# Maruti Suzuki की गाड़ियों को सस्ते में खरीदने का आखिरी मौका! इस दिन से बढ़ जाएंगे सभी मॉडलों के दाम

***Maruti Suzuki अपने सभी मॉडलों की कीमत बढ़ाने जा रही है। मारुति सुजुकी ने कहा है कि कार की कीमतों में नवीनतम बढ़ोतरी बढ़ती उत्पादन लागत के कारण लागू की जाएगी। कंपनी द्वारा बढ़ाई जाने वाली नई कीमतें अगले साल 1 जनवरी से लागू होंगी। हालांकि Maruti Suzuki ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या नई प्राइस हाइक कंपनी के सभी मॉडलों पर लागू होगी या फिर नहीं?***

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी Maruti Suzuki अपने सभी मॉडलों की कीमत बढ़ाने जा रही है। यदि आप जल्द ही मारुति सुजुकी कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके पास इसे महंगा होने से पहले घर चलाने के लिए सिर्फ एक महीने का समय बचा है। कंपनी ने आज यानी 27 नवंबर को घोषणा की है कि वह नए साल से अपने मॉडलों की कीमत में बढ़ोतरी करेगी।

**कब बढ़ेंगी कीमतें?**

मारुति सुजुकी ने कहा है कि कार की कीमतों में नवीनतम बढ़ोतरी बढ़ती उत्पादन लागत के कारण लागू की जाएगी। कंपनी द्वारा बढ़ाई जाने वाली नई कीमतें अगले साल 1 जनवरी से लागू होंगी। हालांकि, Maruti Suzuki ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या नई प्राइस हाइक कंपनी के सभी मॉडलों पर लागू होगी या फिर नहीं?

**कंपनी ने क्या कहा?**

सोमवार को मारुति सुजुकी की एक नियामक फाइलिंग में कहा गया कि कुल मुद्रास्फीति और कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि और लागत में वृद्धि के कारण बढ़ोतरी आवश्यक हो गई है। हालांकि, कार निर्माता ने आश्वासन दिया कि वह खरीदारों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठा रही है।

इसमें कहा गया है, ₹हालांकि कंपनी लागत कम करने और वृद्धि की भरपाई करने के लिए अधिकतम प्रयास करती है, लेकिन उसे कुछ वृद्धि का भार बाजार पर डालना पड़ सकता है। यह मूल्य वृद्धि विभिन्न मॉडलों में अलग-अलग होगी।

**कितने बढ़ेंगे दाम?**

मारुति सुजुकी ने प्रस्तावित मूल्य वृद्धि की मात्रा निर्दिष्ट नहीं की है। कार निर्माता वर्तमान में छोटी से मध्यम आकार की कारें बेचता है, जिनमें से कुछ कॉम्पैक्ट या बड़े सेगमेंट में हैं। ऑल्टो, इसका एंट्री-लेवल मॉडल और साथ ही इसके लाइनअप की सबसे छोटी कार 3.54 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर आती है। टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस पर आधारित इनविक्टो एमपीवी, मारुति द्वारा बेची जाने वाली सबसे बड़ी कार है। इनविक्टो की कीमत 24.80 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

# सिंपल डॉट वन इलेक्ट्रिक स्कूटर इस दिन होगा लॉन्च, कंपनी ने बताई प्री-बुकिंग शुरू होने की तारीख

Simple Energy ने सोमवार को घोषणा की है कि वह 15 दिसंबर को भारतीय बाजार में अपना Simple Dot One इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करेगी। Simple Dot One अपने प्लेटफॉर्म को सिंपल वन के साथ साझा करेगा और इसमें एक निश्चित 3 .7 kWh की बैटरी मिलेगी। कंपनी का दावा है कि मॉडल की प्रमाणित रेंज 151 किलोमीटर है और इसे विशेष रूप से तैयार किए गए हैं।

**नई दिल्ली।** Simple Energy ने सोमवार को घोषणा की है कि वह 15 दिसंबर को भारतीय बाजार में अपना Simple Dot One इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करेगी। यही वह समय है जब मॉडल के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी जाएगी। सिंपल वन की हालिया शुरुआत के बाद, सिंपल डॉट वन को कंपनी के इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की सीरीज में एक सब-वेरिएंट के रूप में तैनात किया गया है।

इलेक्ट्रिक स्कूटरों को अधिक किफायती बनाकर ग्राहकों के एक बड़े समूह के लिए अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, सिंपल डॉट वन को सिंपल वन मॉडल के अधिक बजट-अनुकूल संस्करण के रूप में देखा जा रहा है। इसकी आधिकारिक कीमत अगले महीने ही पता चलेगी, यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सिंपल वन मॉडल की शुरुआती कीमत 1.45 लाख रुपये (करों और प्रोत्साहनों से पहले) थी।

Simple Dot One अपने प्लेटफॉर्म को सिंपल वन के साथ साझा करेगा और इसमें एक निश्चित 3.7 kWh की बैटरी मिलेगी। कंपनी का दावा है कि मॉडल की प्रमाणित रेंज 151 किलोमीटर है और इसे विशेष रूप से तैयार किए गए टायर दिए गए हैं, जो इसकी ऑन-रोड रेंज को बढ़ाते हैं।

इसके अलावा, मॉडल में अन्य हाइलाइट्स के अलावा 30 लीटर अंडर-सीट स्टोरेज एरिया, टचस्क्रीन इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ऐप कनेक्टिविटी के लिए सपोर्ट मिलेगा। सिंपल डॉट वन मॉडल की डिलीवरी जनवरी 2024 से शुरू होगी। इससे संबंधित बहुत सी आधिकारिक जानकारी आना अभी बाकी है।

**सिंपल एनर्जी के फाउंडर और सीईओ सुहास राजकुमार ने कहा-**

आज सिंपल एनर्जी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा है क्योंकि हम गर्व से सिंपल डॉट वन पेश कर रहे हैं, जो हमारी अग्रणी सिंपल वन सीरीज का नवीनतम किफायती एडीशन है। सुलभ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रदान करने का हमारा दृष्टिकोण सिंपल डॉट वन में परिवर्तित होता है, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ आकर्षक डिजाइन का मिश्रण है। हम अपने सम्मानित ग्राहकों के अटूट समर्थन पर भरोसा करते हुए इसके बाजार में लॉन्च का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# खाद्य प्रसंस्करण से बढ़े निर्यात-रोजगार

डा. जयंती लाल भंडारी

**इस योजना से वैश्विक बाजार में भारतीय खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों की ब्रांड विकसित करने में मदद मिलेगी'**

हाल ही में भारत को 'दुनिया की खाद्य टोकरी' के रूप में प्रदर्शित करने के उद्देश्य से दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) सेक्टर एक ऐसा उभरता उद्योग है, जिसमें पिछले नौ वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना से अधिक बढ़कर 12 लाख टन से दो सौ लाख टन हो गई है। देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं। एक डेयरी क्षेत्र, दो फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन अनाज का प्रसंस्करण, चार मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच उपभोक्ता वस्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। इसमें कोई दो मत नहीं है कि सरकार के द्वारा देश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के तहत इन पांचों क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मुट्ठियों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। छोटे फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को वित्त, तकनीक और अन्य तरह की मदद पहुंचाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की केन्द्रीय प्रायोजित पीएम फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोससिंग एंटरप्राइज योजना सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। इस योजना के तहत 2020-21 से 2024-25 तक 10000 करोड़ रुपये के खर्च किए जाने सुनिश्चित किए गए हैं।

इस योजना के तहत राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे कच्चे माल की उपलब्धता का ध्यान रखते हुए हर जिले के लिए एक खाद्य उत्पाद की पहचान करें। ऐसे उत्पादों की सूची में आम, आलू, लीची, टमाटर, साबूदाना, कीनू, पेठा, पापड़, अचार, बाजरा आधारित उत्पाद, मछली पालन, मुर्गी पालन भी शामिल है। पिछले तीन वर्षों से वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के आधार पर चुने गए उत्पादों का प्रोडक्शन करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता के आधार पर मदद दी जा रही है। सरकार की मदद के कारण हिमाचल प्रदेश से काले लहसुन, जम्मू-कश्मीर से ड्रैगन फ्रूट, मध्य प्रदेश से सोया दूध पाउडर, लद्दाख से सेब, पंजाब से कैवेंडिश केले, जम्मू से गुच्ची मशरूम और कर्नाटक से कच्चा शहद जैसे खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही अब मोटा अनाज जैसे खाद्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का निर्यात बढ़ रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अंतर्गत विभिन्न फलों, खाद्यान्नों और फूलों की खेती के लिए ईपीएफ का गठन किया गया है। मौजूदा कृषि-क्लस्टरों को मजबूत करने और अधिक उत्पाद-विशेष वाले क्लस्टर बनाने पर भी जोर दिया गया है। एपीडा को श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार की जिम्मेवारी सौंपी है और उसके संसाधन बढ़ाए हैं। एपीडा ने एक कदम और बढ़ाते हुए श्रीअन्न की खपत और कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीअन्न ब्रांड का निर्माण किया है। रेडी टू ईट और रेडी टू सर्व के अनुकूल श्रीअन्न पर आधारित सैंपल और स्टार्टअप जुटाए जा रहे हैं, जो ज्वार-बाजरा, रागी एवं अन्य मोटे अनाजों से नूडल्स, बिस्कुट, ब्रेकफास्ट, पास्ता, सीरियल मिक्स, कुकीज, स्नैक्स एवं मिठाइयां आदि बना सकें, ताकि विश्व बाजार में निर्यात को बढ़ावा देने में सहूलियत हो सके। यह भी महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 10900 करोड़ रुपये आवंटन के साथ जो पीएलआई योजना लागू की है उससे मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। इसके तहत रेडी टू ईट और रेडी टू कुक, डेयरी क्षेत्र, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, अनाज का प्रसंस्करण, मांस, मछली, पोल्ट्री प्रसंस्करण, उपभोक्ता वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ के विनिर्माताओं को उनकी निवेश और संवर्धित बिक्री की प्रतिबद्धता के आधार पर प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहन देने के इन कदमों के साथ-साथ सितंबर 2020 में कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए सुनिश्चित किए गए एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहा है। खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे चुकी है। इससे सस्ते कर्ज के साथ निर्यात में प्रतिस्पर्धी माहौल बना है। साथ ही देश में वर्ष 2020 से शुरू की गई किसान ट्रेनें भी खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रही हैं। कई और ऐसी बातें हैं, जो देश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के लिए प्रोत्साहनदायक सिद्ध हो रही हैं। सरकार ने फसल कटाई के बाद की सुविधाएं विकसित करने और शीतगृह का बुनियादी ढांचा विकसित करने का उद्देश्य रखने वाली इकाइयों के लिए 100 फीसदी एफडीआई की इजाजत सुनिश्चित की है। वस्तुतः खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों का महत्वपूर्ण घटक है। जहां खाद्य प्रसंस्करण कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है, वहीं इसकी बदौलत फसल उत्पादन में वृद्धि और उसका मूल्यवर्धन होता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से उपज का अधिकतम इस्तेमाल हो पाता है और प्रसंस्कृत वस्तुएं उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और साफ-सुथरी स्थिति में पहुंच पाती हैं। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और महिलाओं के रोजगारपरक क्षेत्रों में अहम है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कई अन्य पूंजी आधारित उद्योगों की तुलना में ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। विनिर्माण क्षेत्र में पूंजी गहन उत्पादन को तरजीह तथा स्वचालन, रोबोट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे उभरती प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन से रोजगार के खतरे को देखते हुए बड़ी संख्या में कार्यबल को रोजगार देने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की आवश्यकता बढ़ गई है। निःसंदेह खाद्य प्रसंस्करण से बहुत अच्छे कृषि आधार भारत के पास हैं। इस समय पूरी दुनिया में भारत को खाद्यान्न का नया वैश्विक कटोरा माना जा रहा है। दुनिया में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर भारत केला, आम, अमरूद, पपीता, अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गन्ना, काजू, नारियल, इलायची और काली मिर्च आदि के प्रमुख उत्पादक के रूप में जाना जाता है।

लेकिन फिर भी इनमें खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत बहुत पीछे है। लेकिन भारत में खाद्य उत्पादन के प्रसंस्करण का स्तर विश्व के अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कुल खाद्य उत्पादन का 10 फीसदी से भी कम हिस्सा प्रसंस्कृत होता है। जबकि फिलिपींस, अमेरिका, चीन सहित दुनिया के कई देशों में खाद्य प्रसंस्करण भारत की तुलना में कई गुना अधिक है। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में पीछे रहने का एक बड़ा कारण खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे होना भी है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों चीन, अमेरिका, ब्राजील, यूक्रेन, रूस और अर्जेन्टीना के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है। इस समय देश का अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3305 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। इस समय समुचित संरक्षण के अभाव में बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने के मद्देनजर लगभग एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ 31 मई 2023 स्वीकृत हुई योजना के कारगर क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। हम उम्मीद करें कि खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर की नई पीएलआई योजना से फसलों की कटाई के बाद फसल की बरबादी रोकने, बेहतर खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता प्रमाणन व्यवस्था, तकनीकी उन्नयन और लॉजिस्टिक सुधार के कारण देश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगा। साथ ही इस योजना से वैश्विक बाजार में भारतीय खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों की ब्रांड विकसित करने में मदद मिलेगी।

## संपादक की कलम से

# शौर्य पर्यटन का स्मारक

पहली बार किसी गैर सरकारी संगठन ने अपने दायित्व की मचान पर दूर तक देखा, नजर आया कि इस तरह चलें तो मंजिलें आसमान तक पहुंच जाएंगी। धर्मशाला युद्ध स्मारक की देखरेख और प्रबंधन कर रही युद्ध स्मारक विकास समिति ने इसके विस्तार को 'अंतरराष्ट्रीय शौर्य पर्यटन' का मक्का बनाने की ठान ली है। पिछले एक दशक में स्मारक में आए बदलाव व निखार अब ऐसे मुकाम को आवाज देने लगे हैं कि आने वाले समय में वीर योद्धाओं का यह प्रदेश, इस स्मारक की वजह से राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बन जाएगा। सोसायटी ने बारह लाख खर्च करके एक ऐसा मास्टर प्लान बनाया है जिसके तहत पचास करोड़ की लागत से यह स्थल, पीढ़ियों के द्वारा पूजा जाता रहेगा। परियोजना का महत्त्व और उद्देश्य हिमाचल की शौर्य व बलिदान परंपरा को ही आगे नहीं बढ़ा रहा, बल्कि राष्ट्रीय संवेदना की मूर्त उपस्थिति को चिन्हित भी कर रहा है। कहना न होगा कि यह स्थल पहले भी किसी देवस्थल या राष्ट्रीय स्तंभ के रूप में अपनी पवित्रता, मर्यादा व परिकल्पना के कारण एक आदर्श लिए हर सैलानी को यहां राष्ट्रीय स्वाभिमान में तल्लीन पाता है। इसलिए स्मारक समिति ने आगामी परियोजना के संकल्प में प्रदेश की पृष्ठभूमि को अलंकृत किया है। खास बात यह है कि समिति इस स्थल को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर की शौर्य गाथा में एक पात्र की तरह परिमार्जित करना चाहती है। दूसरी ओर यह एक ऐसा संकल्प है जहां समाज, देश, देश के कारपोरेट जगत तथा हिमाचल को अपनी प्राथमिकताओं की छांव में ऐसी परियोजना को आगे बढ़ाना है।

ऐसे अनेक दायित्व हैं जिन्हें अगर समाज ओढ़ ले तथा सियासत से ऊपर उठकर समझा जाए, तो यह हमारे अस्तित्व, सभ्यता, शिष्टाचार और राष्ट्रीय आचरण के प्रतीक बन सकते हैं। विडंबना यह है कि हम जिस भौतिकवादी युग में प्रवेश कर चुके हैं, वहां घर की सफाई से भी अपने परिवेश को डरा रहे हैं। जाहिर है हर कार्य सरकार नहीं कर सकती और न ही हर कार्य सरकार को करना चाहिए, लेकिन समाज के कार्यों में अड़चनें न आएं, इस पर जरूर गौर करना चाहिए। इस परियोजना के कार्यान्वयन में भी प्रक्रिया की कई दरख्वास्तें और रास्ते लांघने पड़ेंगे। हमारा मानना है कि हिमाचल की किसी भी बड़ी परियोजना की बाड़बंदी के लिए सबसे पहले वन विभाग आगे आता है, फिर कुछ फसली पर्यावरणविद टर्राने लगते हैं। धर्मशाला युद्ध स्मारक के साथ समीपवर्ती वन भूमि का हस्तांतरण भी हो जाए, तो परियोजना का विस्तार आगामी सदी तक, अपने साथ ईको टूरिज्म की खूबियों के साथ निरंतर होता रहेगा, वरना कल ईंट-पत्थर और सीमेंट से सने सार्वजनिक हाथ आसपास की जमीन पर इमारतों के खंडहर खड़े कर देंगे। समिति को इस स्थल की पवित्रता के लिए ऐसे अधिकार मिलने चाहिए ताकि इसके सीमा क्षेत्र में कोई पोस्टर या होर्डिंग खड़ा न कर सके। युद्ध स्मारक के करीब ही राज्य युद्ध संग्रहालय भी अपनी अनुपम छवि के साथ शिरकत कर रहा है। बेहतर होगा परिसर की दीवारें आपस में एक समान लक्ष्य लेकर चलें, यानी राज्य युद्ध स्मारक एवं संग्रहालय एक ही तरह की प्रबंधकीय व्यवस्था के वृतांत में आगे बढ़ें। अगर हमें 'शौर्य पर्यटन' के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना है, तो ऐसी गतिविधियां भी शुरू करनी होंगी जो सामाजिक भागीदारी और नागरिक समाज के दायित्व को पुख्ता कर सकें। शहीदों की याद में स्मारक का प्रत्येक पल आदरांजलि बन जाए, इसके लिए वर्ष में एक बार देश के चर्चित कलाकारों के साथ कम से कम एक सप्ताह का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाए। इसी के साथ हर दिन कुछ सेरेमनी आयोजित करने के नियम लागू हों। मसलन हर शाम तय समय पर शहीदों की याद में दीप प्रज्वलन समारोह का आयोजन प्रायोजित ढंग से किया जा सकता है। कोई भी नागरिक साल के एक दिन का व्यय वहन कर सकता है। इस तरह सैकड़ों लोग अगर दीप प्रज्वलन समारोह के लिए एक दिन की सुनिश्चित राशि अदा करके आदरांजलि दें, तो यह परंपरा मनोरंजन के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य और शहीदों के प्रति बड़ा सम्मान होगी।

## राय

## जनादेश के निहितार्थ

राज्यों के विधानसभा चुनावों के जनादेश प्रमुख तौर पर भाजपा के नाम ही रहे। पार्टी ने उत्तर भारत के दो बड़े और प्रमुख राज्यों-मध्यप्रदेश और राजस्थान-में जनादेश हासिल किया है। मप्र में तो 160 से अधिक सीट जीत कर भाजपा को 'प्रचंड बहुमत' मिला है, जबकि राजस्थान में 110 से अधिक सीटों का स्पष्ट बहुमत कमतर नहीं है। इसे भाजपा के पक्ष में सत्ता की लहर माना जा सकता है, क्योंकि ये जनादेश अनपेक्षित और अप्रत्याशित हैं। यह जनादेश प्रधानमंत्री मोदी, 'कमल' और पार्टी काडर के नाम भी रहा, क्योंकि दोनों ही राज्यों में भाजपा ने 'मुख्यमंत्री का चेहरा' पेश नहीं किया था। सामूहिक संठन ने एकजुट होकर चुनाव लड़े थे। राजस्थान में सत्ता का रिवाज नहीं बदला जा सका और कांग्रेस की 'गारंटियां' भी जनता ने खारिज कर दीं। खासकर 50 लाख रुपए की 'चिरंजीवी' स्वास्थ्य योजना पर जनता ने भरोसा नहीं किया, क्योंकि राज्य का बजट ही बेहद कम है। तो 8 करोड़ राजस्थान वासियों को मुफ्त इलाज की गारंटी कैसे संभव थी? इसकी तुलना में 'प्रधानमंत्री की गारंटी' पर सभी राज्यों की जनता ने भरोसा किया। हालांकि ये तमाम गारंटियां 'मुफ्तखोरी' की श्रेणी में ही आती हैं। बौद्धिक विशेषज्ञों की एक जमात 'मुफ्त की रेवड़ियों' को भी उचित मानती है। उसकी दलील है कि सरकार का बुनियादी दायित्व 'कल्याणकारी योजना' का है और गरीब आदमी की पहली अपेक्षा सरकार से ही होती है। राजस्थान में 'सांप्रदायिक रक्तपात' और 'सर तन से जुदा..' सरीखे मुद्दों ने भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण को गति दी और तुष्टिकरण के खिलाफ वोट पड़े। नतीजतन मेवाड़, मारवाड़, जयपुर आदि क्षेत्रों में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की। छत्तीसगढ़ का जनादेश सबसे ज्यादा चौंकाने वाला रहा। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने माना है कि इतने व्यापक 'अंडर करंट' का एहसास भाजपा को भी नहीं था। बहरहाल छत्तीसगढ़ में सत्ता-परिवर्तन हो रहा है और भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। यह लिखने तक मुख्यमंत्री बघेल और उनके अधिकतर मंत्री चुनाव हार रहे थे। भाजपा को 50 से अधिक सीटें मिल रही हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 46 है। 2018 के जनादेश की तुलना में कांग्रेस 'आधी' से भी कम हो गई है। यह बेहद गंभीर पराजय है। जनता के इस मूड को कोई भी 'एग्जिट पोल' और विश्लेषण भांप नहीं पाया। देश में सबसे ज्यादा आदिवासी छत्तीसगढ़ में रहते हैं और मप्र में इनकी 21 फीसदी आबादी है। दोनों ही राज्यों में भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की है। मप्र और राजस्थान के जनादेश इसलिए भी महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि वहां लोकसभा की क्रमशः 29 और 25 सीटें हैं। जनादेश से स्पष्ट है कि 2024 के आम चुनाव की लहर भाजपा के पक्ष में बह रही है। मप्र में बीते 18 साल से भाजपा सत्तारूढ़ है। उसके बावजूद दो-तिहाई बहुमत हासिल हुआ है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 60,000 से अधिक वोट से आगे थे। जनादेश से दो निष्कर्ष बिल्कुल स्पष्ट हैं। एक तो सत्ता-विरोधी लहर नहीं थी। दूसरे, जनता भाजपा सरकार की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन को लेकर आश्वस्त है। राजस्थान, मप्र और छत्तीसगढ़ में करीब 50 फीसदी महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। कमोबेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 1.31 करोड़ 'लाडली बहनों' ने ऐसा जनादेश देकर स्पष्ट कर दिया है कि अब जनाधार किस दिशा में काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के जरिए जो 'लाभार्थी समूह' तैयार किया है, वह भी पूरी तरह भाजपा के पक्ष में वोट कर रहा है। बहरहाल कांग्रेस के लिए एकमात्र राजनीतिक हासिल यह रहा है कि तेलंगाना में उसकी सरकार बन रही है। वहां चंद्रशेखर राव और उनकी पार्टी 'बीआरएस' 10 साल की सत्ता के बाद विदाई लेंगे।

# शव संवाद-20

धीरे-धीरे पुतले और इनसान के बीच अंतर खत्म होते-होते, आज स्थिति यहां तक पहुंच गई कि मुफ्त राशन की लाइन में, चुनावी पार्टियों के टिकटार्थियों में और देशभक्ति के नाकों पर भी पुतले पहुंच गए। अब हर जगह एक-दूसरे पर शक यह है कि कहीं पुतलों के बीच कोई बुद्धिजीवी इनसान तो नहीं। उधर लोगों के बीच पुतले बनाने का हुनर परवान चढ़ रहा है, ताकि जिन्हें घोषित पुतला बना दिया जाए, इल्जाम उन्हीं के ऊपर जमाने के आमादा हो जाएं। एक गलती से रावण आज तक पुतला बना घूम रहा है, लेकिन आज के इनसान को यह कबूल नहीं कि उसे गलती का पुतला कहा जाए। उधर पुतलों को यह कबूल नहीं कि उन्हें इनसान से जोड़ा जाए। पहली बार पुतलों ने महसूस किया कि उनकी आबादी भी बढ़ रही है और वे भी परिवारवाद के शिकार हैं। एक पुतले वे जो बुत बनकर तराशे जाते और दूसरे वे जो रस्सियों से बांध कर पीटे जाते हैं। जिनके बुत बने वह अपनी ही ऊंचाई से लड़ रहे और जो जलाए गए वे जलने वालों की आग को नहीं समझ पाए। बुद्धिजीवी को यह कभी समझ नहीं आया कि इनसान का पुतला हो जाना क्यों दुनिया को जल्दी से समझ आ जाता है। सदियों पहले रावण को पुतला बनाने का तर्क समझ आया, जो आज तक जल रहा है, वरना गुस्ताखियां तो आजकल इससे भी कहीं अधिक हो रहीं। हर जला हुआ व्यक्ति पुतला नहीं होता, फिर भी पुतले के जलने से इनसान होने का पता चलता है। मरने के बाद कोई बुत बन गया, लेकिन अधिकांश पुतले बनकर यूं ही जल गए। बुद्धिजीवी पुतला बनकर जल जाना चाहता था, लेकिन उसे भय यह था कि कोई उसे खामख्वाह बुत बनाकर सदियों के लिए खड़ा न कर दे। उसके मुताबिक, 'बुत बनकर सदियां भी लांघ गए तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन पुतला बना दिए गए तो आग से गुजरना समझ जाएंगे। बुद्धिजीवी ने इसी उधेड़बुन में कई बार रावण को पुतले के रूप में जलते हुए देखा।

हर बार जलाने वाले नेता को शराफत के बुत में बदलते देखा। इस बार भी जलाने वाला एक नेता ही था, लेकिन दशहरे के तीन पुतलों में रावण का जरा ढीठ निकला। अधजला वहीं पड़ा मिला तो बुद्धिजीवी ने किसी तरह पुतले के अवशेषों का शव उठाया और शमशानघाट की तरफ चल पड़ा। रास्ते में पुतला कराहने लगा। सदियों के जख्म दिखाने लगा। उसे यह दुख नहीं था कि रावण पुतला क्यों बना, बल्कि यह सोच-सोच कर शर्मिंदा है कि उसे ढंग से जलाया भी नहीं जाता। उससे तो कहीं बेहतर बहुएं जलाई जाती हैं, जो पुतला नहीं होतीं। हर साल सरकारी दफ्तरों में आने वाली ढेरों शिकायतें, बदलती सरकारों की फाइलें और योजनाओं के नाम तक रावण के पुतले से कहीं बेहतर ढंग से जलाए जाते हैं। बुद्धिजीवी हैरान था कि पुतले का भी आत्मसम्मान है, इसलिए वह जलने-जलने में अंतर निकाल रहा है। रावण के पुतले से देश की बची हुई आवाज बता रही थी, 'मैं हैरान हूं कि भारत में अब तक जो बुत बनकर खड़े थे, उन्हें भी राजनीति पुतलों की तरह घसीट रही है। गोडसे के समर्थक ऐसे बुतों से निकले पुतलों पर अगर गोली चला रहे हैं, तो रावण का क्या, वह तो जल कर भी प्रासंगिक बन रहा, वरना देश में सबसे अधिक अनादर तो बुतों का ही हो रहा है।' बुद्धिजीवी पहली बार इस प्रयास में था कि बचे हुए रावण के पुतले को शमशान की आग के हवाले कर दे। वहां एक लावारिस लाश को कुछ लोगों द्वारा जैसे तैसे जलाने की कोशिश करते देख, उसने पुतले से बची लकडियों को आग के सुपुर्द कर दिया। चिता धू-धू जल रही थी, लेकिन कहीं दूर से आवाज आ रही थी, 'इस बार रावण के पुतले की ऊंचाई बढ़ाने का रिकार्ड बना है और इसके लिए जनता अपने विधायक की विशेष रूप से आभारी है।'

**निर्मल असो**

## विचार

# कराची विध्वंस की पटकथा ऑपरेशन ट्राइडेंट

**नौसेना की 'किलर स्क्वाड्रन' ने द्वारका का इंतकाम कराची विध्वंस करके पूरा किया था। अतः चार दिसंबर को भारतीय नेवी अपना 'नौसेना' दिवस मनाती है। कराची को खाक में मिलाने वाले समंदर के योद्धाओं को देश शत-शत नमन करता है। कराची पर हमला करके भारतीय नौसेना ने सन 1971 के युद्ध का अंजाम अवश्य ही तय कर दिया था'**

'शं नो वरुणः।' अर्थात वरुण देवता हमारे लिए शुभ हों। संस्कृत का यह प्रसंग भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य है। चीन के अजीम सैन्य रणनीतिकार 'सुन त्जू' ने अपनी किताब 'आर्ट ऑफ वार' में फरमाया है कि 'विजयी योद्धा पहले जीतते हैं, फिर युद्ध में जाते हैं, जबकि पराजित योद्धा पहले युद्ध में जाते हैं, फिर युद्ध जीतने की कोशिश करते हैं।' सैन्य रणनीति के अनुसार शत्रु के नापाक कदमों की आहट भांपकर उसे उसके घर में घुसकर तबाह कर देना चाहिए। तीन दिसंबर 1971 को पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमले के बाद भारतीय नौसेना ने पाक के कराची बंदरगाह पर हमला करके दास्तान-ए-शुजात का एक गौरवपूर्ण अध्याय कुछ इसी अंदाज में लिखा था। सन 1971 के दौर में पाक नौसेना का मुख्यालय कराची में था।

इससे पहले कि पाक नौसेना भारत के खिलाफ कोई मंसूबा तैयार करती, भारतीय नौसेना ने चार दिसंबर 1971 की रात को 'आपरेशन ट्राइडेंट' के तहत हमला करके कराची पोर्ट को जला कर राख कर दिया था। भारतीय नौसेना की 'किलर स्क्वाड्रन' के तीन मिसाइल युद्धपोतों आईएनएस 'निपत', निर्घट तथा 'वीर' ने कराची पोर्ट पर हमले को अंजाम देकर पाक नौसेना के चार जंगी जहाजों पीएनएस खैबर, शाहजहां, मुहाफिज तथा माइन स्वीपर वीनस चैलेंजर की कराची के समंदर में जल समाधि दे डाली थी। कराची पोर्ट पर खड़े तेल के टैंकरों में आग लगने से पाक सेना के तेल का जखीरा भी पूरी तरह खाक हो गया। कराची पर हमला करके किलर स्क्वाड्रन सकुशल लौट आई थी। पाक नौसेना कराची बंदरगाह पर लगी आग को बुझाने की जद्दोजहद में लगी थी। मगर आपरेशन ट्राइडेंट की कामयाबी के तुरंत बाद भारतीय नौसेना ने पाक नेवी के बचे वजूद को नेस्तनाबूद करने के लिए आठ दिसंबर 1971 को एक अन्य आपरेशन 'पायथन' को अंजाम देकर कराची नौसैनिक अड्डे पर दूसरा हमला कर दिया था। उस हमले में नौसेना के आईएनएस विनाश, तलवार व त्रिशूल जैसे युद्धपोत शामिल थे। कराची पोर्ट पर खड़े दुश्मन के तेल टैंकर आईएनएस विनाश की मिसाइलों का निशाना बने। पाकिस्तान में मंजर-ए-शब यह था कि कराची के समंदर से साहिल तक केवल आग की लपटें थीं। आग की उन लपटों को साठ किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। आपरेशन पायथन के हमले में पाक नौसेना के ढाका, हरमटन व गल्फ स्टार जैसे पोत समंदर की आगोश में समा गए। पाकिस्तान ने उस हमले की कल्पना भी नहीं की थी। गौर रहे आपरेशन ट्राइडेंट व पायथन के तहत कराची पोर्ट को जलाने वाली भारतीय नौसेना को दोनों मिशनों में कोई नुकसान नहीं हुआ था। सन 1971 के युद्ध में कराची के समंदर में पाक नौसेना की कब्रगाह बनाकर पाक नेवी की बर्बादी का अस्बाब बने आपरेशन ट्राइडेंट का नेतृत्व करने वाले कमोडोर 'बबरू भान यादव' को उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए 'महावीर चक्र' से नवाजा गया था। बबरू भान यादव नौसेना के प्रथम महावीर चक्र प्राप्तकर्ता थे।

कराची का विध्वंस करने वाली किलर स्क्वाड्रन में शामिल आईएनएस 'निपत' के कमांडर 'बहादुर नरीमन कवीना', 'निर्घट' के कमांडर इंद्रजीत शर्मा, 'वीर' के कमांडर 'ओम प्रकाश मेहता' तथा 'विनाश' के कमांडर 'विजय जेरथ' को अद्भुत शौर्य पराक्रम के लिए 'वीर चक्र' प्रदान किए गए थे। कराची बंदरगाह पर किलर स्क्वाड्रन के हमले से पाक नौसेना इस कदर मफलूज हो चुकी थी कि पूर्वी पाकिस्तान के महाज पर लड़ रही पाक थलसेना मदद को मोहताज रह गई। पाकिस्तानी नौसेना को उसके घर में घुसकर तबाह करके भारतीय नौसेना ने विश्व को अपनी ताकत का एहसास पूरी शिद्दत से करा दिया था। साथ ही अमेरिका को भी सोचने पर मजबूर कर दिया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इंपीरियल जापानी नौसेना ने सात दिसंबर 1941 के दिन अमेरिका के नौसैनिक बेस 'पर्ल हार्बर' पर भयंकर हमला करके अमेरिका को शदीद नुकसान पहुंचाया था। पर्ल हार्बर के उस हमले ने दूसरी जंगे अजीम का रुख बदल दिया था। भारतीय नौसेना ने कराची विध्वंस करके अमेरिका को पर्ल हार्बर हमले की याद ताजा करा दी थी क्योंकि अमेरिका से खैरात में मिले हथियारों के बल पर ही पाक हुक्मरान भारत को शिकस्त देने का जहालत भरा ख्वाब देख रहे थे। सन 1971 की जंग में भारत के लिए सोवियत संघ के तत्कालीन एडमिरल 'सर्गेई गोर्शकोव' के योगदान को याद रखना होगा। स्मरण रहे पाकिस्तान की नौसेना ने आठ सितंबर 1965 को भारत के मुकद्दस शहर द्वारका पर हमला किया था। उस हमले की याद में पाकिस्तान आठ सितंबर को अपना नौसेना दिवस मनाता है।

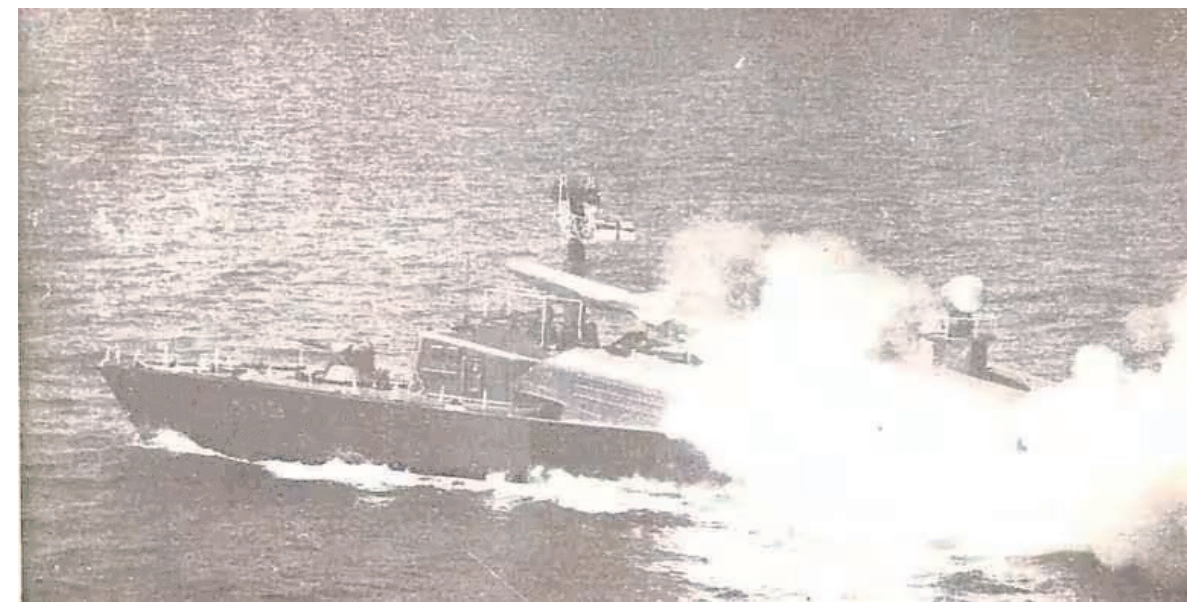

दिलचस्प बात यह है कि सन 1971 में भारतीय नौसेनाध्यक्ष रहे एडमिरल 'एसएम नंदा' का बचपन कराची में ही बीता था तथा स्कूली शिक्षा भी कराची में ही हुई थी। सन 1965 में द्वारका पर पाक हमले के बाद एडमिरल नंदा ने एक साक्षात्कार में यह इजहार किया था कि यदि उन्हें मौका मिला तो कराची को खाक में मिलाने से गुरेज नहीं करेंगे। चार दिसंबर 1971 की रात को कराची का विध्वंस करके भारतीय नौसेनाध्यक्ष ने अपनी उस तहरीर को सच साबित कर दिया था। एडमिरल एसएम नंदा ने अपनी आत्मकथा 'दि मैन हू बॉम्ब्ड कराची' में इस बात का जिक्र पूरी तफसील से किया था। बहरहाल सन 1965 में गुजरात के द्वारका पर हमला करने वाले पाकिस्तान के जंगी जहाज 'खैबर' को भारतीय नौसेना की आईएनएस 'निर्घट व निपत' ने अपनी मिसाइलों के अचूक प्रहारों से टुकड़ों में तब्दील करके चार दिसंबर 1971 को कराची के समंदर में डुबो दिया था। नौसेना की 'किलर स्क्वाड्रन' ने द्वारका का इंतकाम कराची विध्वंस करके पूरा किया था। अतः चार दिसंबर को भारतीय नेवी अपना 'नौसेना' दिवस मनाती है। कराची को खाक में मिलाने वाले समंदर के योद्धाओं को देश शत-शत नमन करता है। कराची पर हमला करके भारतीय नौसेना ने सन 1971 के युद्ध का अंजाम अवश्य ही तय कर दिया था।

**प्रताप सिंह पटियाल**

# बाजार में जारी है तेजी, BSE के बाद एनएसई का एम-कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के पार

परिवहन विशेष न्यूज

NSE-MCap आज शेयर बाजार के सभी सूचकांक हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। सोमवार को एनएसई 200 अंक से 20500 अंक तक पहुंच गया है। इसी के साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिड कंपनियों का एम-कैप 4 ट्रिलियन के पार पहुंच गया है। वहीं 29 नवंबर 2023 (बुधवार) को बीएसई का एम-कैप 4 ट्रिलियन के पार पहुंच गया था।

**नई दिल्ली।** आज शेयर बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। शेयर मार्केट के सभी सूचकांक में तेजी देखने को मिली है। खबर लिखते वक्त निफ्टी 292.65 अंक या 1.44 फीसदी की बढ़त के साथ 20,560.55 अंक पर पहुंच गया है। इस तेजी के साथ ही एनएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों के एम-कैप में तेजी देखने को मिली है।

हाल ही ने Nse की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक एनएसई पर लिस्टिड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पहली 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (334.72 ट्रिलियन रुपये) के पार पहुंच गया है। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते शुक्रवार को एनएसई 20,291.55 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आज भी एनएसई उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शुक्रवार को निफ्टी-500 इंडेक्स भी 18,141.65 के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। इसका मतलब है कि निफ्टी-500 इंडेक्स यह दर्शाता है कि इक्विटी बाजार की रैली केवल लार्ज-कैप शेयरों तक ही सीमित नहीं है।

एनएसई ने हाल में अपने बयान में कहा कि एनएसई के एम-कैप 4 ट्रिलियन के पार पहुंच जाना मील का पत्थर है। यह सार्वजनिक वित्त के साथ एक प्रौद्योगिकी-संचालित और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था और एक मजबूत वित्तीय सेक्टर को दर्शाता है।

आपको बता दें कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण को 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पास जुलाई 2017 में पहुंचा था। वहीं, मई 2021 में यह 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के लगभग पहुंच गया था। इसी तरह 4 ट्रिलियन तक पहुंचने में एनएसई को लगभग 46 महीने लगे हैं।

एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा।

एनएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार करना देश की 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अर्थव्यवस्था में सकारात्मक भावना ने पूंजी बाजार को गति प्रदान की है।

आपको बता दें कि बाजार पूंजीकरण के हिसाब से एनएसई पर टॉप तीन कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) और एचडीएफसी बैंक (HDFC Bank) है।

एनएसई ने अपने बयान में कहा था कि भारत बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष पांच देशों में से एक है। एनएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण भारत की जीडीपी के मुकाबले 1.18 या 118 फीसदी है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) या अमेरिका जैसे विकसित बाजारों की तुलना में कम है। जापान, "एनएसई ने बयान में कहा।

चालू वित्त वर्ष में एनएसई पर शेयर का कारोबार का वेग 47 फीसदी था। यह अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और ब्राजील जैसे कुछ वैश्विक बाजारों से काफी कम है। एक्सचेंज ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में इक्विटी सेगमेंट का दैनिक औसत टर्नओवर 6 गुना से अधिक बढ़ गया है और इक्विटी डेरिवेटिव्स का दैनिक औसत टर्नओवर 5 गुना से अधिक बढ़ गया है।

एनएसई ने चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर 2023 तक इक्विटी और कॉरपोरेट बॉन्ड में प्राथमिक बाजारों के माध्यम से 5,00,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में दैनिक औसत कारोबार में इक्विटी सेगमेंट में 27 प्रतिशत और इक्विटी डेरिवेटिव में 5 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि देखी गई है।

**बीएसई के एम-कैप में बढ़त**

आपको बता दें कि पिछले हफ्ते 29 नवंबर 2023 (बुधवार) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का बाजार पूंजीकरण भी 4 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया था। बीएसई पर लिस्टिड कंपनी का मार्केट कैप पिछले 10 वर्षों में 17.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है।

# टाटा टेक्नोलॉजी आईपीओ में लगाया है पैसा और शेयर अलॉटमेंट का है इंतजार, तो यहां जानिए स्टेप-बाय-स्टेप तरीका

Tata Technologies IPO को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। इस आईपीओ को 69 .43 गुना सब्सक्राइब किया गया है। आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशक अब शेयर अलॉटमेंट का इंतजार कर रहे हैं। अगर आपने भी टाटा ग्रुप के आईपीओ में पैसा लगाया है तो हम आपको अलॉटमेंट चेक करने के आसान तरीके के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

**नई दिल्ली।** Tata Technologies की मार्केट में एंट्री हो चुकी है। पिछले हफ्ते खुले इस टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर अलॉटमेंट बीएसई और एनएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंज में 30 नंवबर को होना है। टाटा ग्रुप की कंपनी ने आईपीओ के जरिए 3,042 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। 22 से 24 नवंबर को खुले इस आईपीओ का प्राइस बैंड रेंज 475 रुपये से 500 रुपये प्रति शेयर रखा गया था।

टाटा ग्रुप का यह आईपीओ 19 साल बाद आया जिसे निवेशकों का भरपूर सहयोग मिला। इस आईपीओ को 69.43 गुना सब्सक्राइब किया है। IPO को सब्सक्राइब करने वाले निवेशक अब शेयर अलॉटमेंट का इंतजार रहे हैं। यहां हम आपको अलॉटमेंट चेक करने के बारे में स्टेप बाय स्टेप जानकारी दे रहे हैं।

**Tata Tech IPO: कैसे चेक करें अलॉटमेंट**

स्टेप 1 - सबसे पहले आपको BSE की वेबसाइट ओपन करनी है।

स्टेप 2 - अब आपको 'इक्विटी' ऑप्शन को चुनना है। फिर ड्रॉपडाउन मैन्यू में इश्यू का नाम सलेक्ट करना है।

स्टेप 3 - अगले पेज पर आपको अपना एप्लिकेशन नंबर और पैन कार्ड नंबर दर्ज करें।

स्टेप 4 - सभी डिटेल्स फिल करने के बाद आपको 'सर्च' बटन पर क्लिक करें।

शेयर अलॉटमेंट इसी तरह से NSE पर भी चेक कर सकते हैं। वहीं आप रजिस्ट्रार वेबसाइट के जरिए भी शेयर अलॉटमेंट चेक कर सकते हैं। यहां हम आपको रजिस्ट्रार वेबसाइट में अलॉटमेंट चेक करने के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

स्टेप 1 - Link Intime की वेबसाइट पर जाएं.

स्टेप 2 - 'कंपनी चयन' पर क्लिक करें और फिर आईपीओ नाम चुनें।

स्टेप 3 - अब, अपना पैन, एप्लिकेशन नंबर, डीपी/क्लाइंट आईडी, या अकाउंट नंबर/आईएफएससी दर्ज करें।

स्टेप 4 - 'खोजें' पर क्लिक करें।

**निवेशकों का मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स**

Tata Technologies का IPO 22 नवंबर को खुला और यह 24 नवंबर को बंद हो गया था। तीन दिन तक यह आईपीओ 69.4 गुना सब्सक्राइब हुआ और 73.6 लाख एप्लीकेशन मिले थे। टाटा ग्रुप के इस आईपीओ में QIB के लिए रिजर्व हिस्सा 203.41 गुना, गैर-संस्थागत निवेशकों (NII) का हिस्सा 62.11 गुना और रिटेल निवेशक की कैटगरी 16.50 गुना

# अडानी ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त तेजी, अदाणी एनर्जी के स्टॉक 8 फीसदी उछले

चुनावी नतीजों के बाद आज शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। आज अदाणी ग्रुप्स के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। आज दोपहर में अदाणी एनर्जी के स्टॉक 8 फीसदी की उछाल के साथ करोबार करने लगे। आइए जानते हैं कि अदाणी ग्रुप्स के कौन-से कंपनी के शेयर कितनी बढ़त पर कारोबार कर रहे हैं।

**नई दिल्ली।** सोमवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार हरे निशान पर कारोबार कर रहा है। आज सुबह से अदणी ग्रुप्स (Adani Groups) के शेयर में तेजी देखने को मिली है। निवेशकों द्वारा जारी डिमांड की वजह से दोपहर के सत्र में अदाणी एनर्जी (Adani Energy) के शेयर 8 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए थे।

सभी 10 सूचीबद्ध समूह कंपनियों में रैली ने शेयर बाजारों में व्यापक उछाल को प्रतिबिंबित किया। देश के तीन प्रमुख राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा पार्टी की जीत के बाद 2024 में भाजपा सरकार की सत्ता में वापसी को लेकर निवेशक काफी आशावाद है।

अदाणी ग्रुप्स की सभी सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 12 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े पर पहुंच गया। यह पहली बार है जब अदाणी ग्रुप्स के शेयरों ने 12 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ है। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप्स पर वित्तीय गलत काम और स्टॉक में हेरफेर का आरोप लगाया गया था। वैसे तो कंपनी ने इन सभी आरोपों को गलत ठहराया है।

**अदाणी ग्रुप्स की इन कंपनियों के शेयर में आई तेजी**

आज अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 8 प्रतिशत बढ़कर 1,108.65 रुपये पर पहुंच गया। वहीं अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.61 प्रतिशत बढ़कर 2,518.55 रुपये पर और एसीसी 6.35 प्रतिशत उछलकर 2,021 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 6.16 प्रतिशत बढ़कर 908.65 रुपये प्रति शेयर और अंबुजा सीमेंट्स 6.06 प्रतिशत बढ़कर

468.90 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। जहां अदाणी पावर 5.59 प्रतिशत बढ़कर 464.80 रुपये प्रति यूनिट पर पहुंच गया, वहीं अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) 5.58 प्रतिशत बढ़कर 873.75 रुपये प्रति शेयर हो गया।

इसके अलावा, अदाणी टोटल गैस के शेयर 4.38 प्रतिशत उछलकर 731.95 रुपये पर, एनडीटीवी 4.13 प्रतिशत चढ़कर 228.10 रुपये पर और अदाणी विल्मर 2.50 प्रतिशत बढ़कर 348.95 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए।

24 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों की जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद पिछले हफ्ते से अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर की कीमतें बढ़ रही हैं।

# कम हुई मांग तो लुढ़क गए सोने और चांदी के दाम, जानिए आपके शहर में आज क्या है 24 कैरेट गोल्ड का रेट

देश में आज सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। पिछले दिनों देश में धनतेरस और दिवाली को लेकर गोल्ड की डिमांड बढ़ गई थी हालांकि उस वक्त भी कीमतों में अधिक उछाल देखने को नहीं मिला था। ऐसे अगर आप सोने में निवेश के लिहाज के हिसाब से देख रहे हैं तो उससे पहले अपने शहर में सोने की कीमतों के बारे में जान लीजिए।

**नई दिल्ली।** दिवाली के अगले दिन यानी सोमवार 13 नवंबर को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। देश में पिछले दिनों धनतेरस और दिवाली के चलते सोने की मांग बढ़ी थी जिसके कारण कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी को मिली थी।

**आज क्या है सोने का भाव?**

आज वायदा कारोबार में सोने की कीमत 93 रुपये गिरकर 59,659 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 93 रुपये या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,659 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 10,649 लॉट का कारोबार हुआ।

विशेषज्ञों की मानें तो सोने की कीमतों में गिरावट का कारण का श्रेय प्रतिभागियों द्वारा अपने पदों में कटौती है। वैश्विक स्तर पर अगर बात करें तो न्यूयॉर्क में सोना 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,940.90 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

**क्या है आज चांदी की कीमत?**

आज वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 727 रुपये गिरकर 69,305 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 727 रुपये या 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69,305 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसमें 25,337 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22.08 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

**क्या है सोने की स्पॉट कीमत?**

गुड रिटर्न के मुताबिक खबर लिखे जाने तक सोने की स्पॉट कीमत विभिन्न शहरों में इस प्रकार है:

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है।

नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,980 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है।

केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,490 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,540 रुपये है।

सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,540 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,640 रुपये है।

# शेयर बाजार में तेजी से निवेशक हुए मालामाल, 4.97 लाख करोड़ रुपये बढ़ी कमाई

परिवहन विशेष न्यूज

शेयर बाजार में तेजी की रैली जारी है। रविवार को आए चुनावी नतीजों का प्रभाव शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। आज सुबह के कारोबारी सत्र में बीएसई 877 .43 अंक या 1.30 प्रतिशत उछलकर 68358 .62 के नए शिखर पर पहुंच गया। इस तेजी ने निवेशकों की कमाई को बढ़ाने में मदद की है। आज सुबह निवेशक की कमाई 4 .97 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गई है।

**नई दिल्ली।** सोमवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार में तेजी का दौर जारी है। रविवार को आए चुनावी नतीजें में भारतीय जनता को मिली संपूर्ण बहुमत के बाद सेंसेक्स और निफ्टी उच्चतम स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। शेयर बाजार में आई तेजी की लहर ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। आज सुबह निवेशक की कमाई 4.97 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गई है।

**निवेशकों की बढ़ी कमाई**

रविवार को 4 राज्यों में हुए चुनाव के परिणामों की घोषणा हुई है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है। इस बहुमत ने निवेशकों की सकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा दिया। इसके अलावा जीडीपी आंकड़ों और निरंतर विदेशी फंड इनफ्लो ने भी शेयर बाजार को प्रभावित किया है।

आज सुबह के शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 877.43 अंक या 1.30 प्रतिशत उछलकर 68,358.62 के नए शिखर पर पहुंच गया। शेयर बाजार में तेजी की रैली के बाद बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 337.67 लाख करोड़ रुपये से 4.97 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 342.64 लाख करोड़ रुपये हो गया।

आपको बता दें कि पिछले पांच कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति 13.92 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। बीएसई मिडकैप गेज 1.03 प्रतिशत उछल गया और स्मॉलकैप सूचकांक 1.09 प्रतिशत चढ़ गया।

**टॉप गेनर स्टॉक**

सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी एंटरप्राइजेज के स्टॉक 6.79 प्रतिशत और अदाणी पोर्ट्स के शेयर 4.52 प्रतिशत

अधिकतम बढ़त हुई है। इसके अलावा एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एनटीपीसी और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

**बीएसई और एनएसई एम-कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के पार**

29 नवंबर 2023 को बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण का 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुंच गया है। वहीं, 1 दिसंबर (शुक्रवार) को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिड कंपनी का एम-कैप 4 ट्रिलियन के पार पहुंच गया है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने एक शोध नोट में कहा

चार प्रमुख राज्यों के चुनावों में से तीन में भाजपा की शानदार जीत से बाजार की तेजी की भावना और मजबूत होगी। भाजपा ने चुनाव पूर्व और एग्जिट पोल की उम्मीदों से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे लोकसभा में बहुमत बरकरार रखने की भाजपा की संभावनाएं और मजबूत होंगी। बाजार का यह विश्वास कि भाजपा 2024 का आम चुनाव जीतेगी। हमें उम्मीद है कि चुनाव से जुड़ी बाजार में अस्थिरता कम रहेगी, जिसके परिणामस्वरूप निकट अवधि में बाजार उच्च मूल्यांकन पर कारोबार कर सकता है।

विश्लेषकों ने कहा कि शेयर बाजारों को वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि और इस सप्ताह के अंत में घोषित होने वाले आरबीआई के ब्याज दर के फैसले से संकेत मिलने की उम्मीद है।

# तेलंगाना में भारतीय वायु सेना का ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत की सूचना

भारतीय वायु सेना का एक ट्रेनर विमान सोमवार सुबह 855 बजे तेलंगाना के डिंडीगुल में क्रैश हो गया। दुर्घटना डिंडीगुल स्थित वायु सेना अकादमी के पास हुई। समाचार एजेंसी एएनआई और पीटीआई के अनुसार इस क्रैश में पायलट एवं प्रशिक्षक की मौत हो गई है। यह विमान दुर्घटना मेडक जिले के तूपरन में हुई है। भारतीय वायुसेना ने भी क्रैश की पुष्टि की है।

**मेडक (तेलंगाना)।** तेलंगाना के मेडक जिले में सोमवार सुबह लगभग 8:55 बजे भारतीय वायुसेना का एक ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा डिंडीगुल स्थित वायु सेना अकादमी के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि ट्रेनर जेट क्रैश में दो पायलट की मौत हुई है। जिनमें से एक कैडेट पायलट और ट्रेनर था।

**कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश**

समाचार एजेंसी एएनआई एवं पीटीआई ने भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि AFA हैदराबाद से नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान आज सुबह एक पिलाटस PC 7 MK II विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना ने भी विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि किसी भी नागरिक जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है।

**तुपरन के पास हुआ हादसा**

मेडक, रोहिणी के पुलिस अधीक्षक ने भी घटना की पुष्टि की है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, ₹यह डंडीगुल हवाई अड्डे का प्रशिक्षण विमान था। विमान में दो लोग थे, जिनमें से एक प्रशिक्षक और एक इंस्ट्रक्टर था। अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है।

**हादसे के कारण का पता नहीं**

पुलिस अधीक्षक ने कहा, ₹वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या कोई जीवित बचा है। वे यह पता लगाने के लिए इलाके की तलाशी ले रहे हैं कि क्या कोई शव बचा है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।₹ हादसे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

# 3 राज्यों में प्रचंड जीत के बाद सीएम की भागदौड जारी

**परिवहन विशेष।एसडी सेठी।** भारतीय जनता पार्टी ने मोदी के चेहरे पर मध्यप्रदेश, राजस्थान, और छत्तीसगढ में प्रचंड जीत तो दर्ज कर ली है, लेकिन परिणाम के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी सीएम पद के नाम को लेकर भागमभाग जारी है। दूसरी ओर चुने गए नए विधायक फुल एक्शन मोड में आ गए है।जयपुर हवामहल से बीजेपी के टिकट पर विधायक बने भगवाधारी बाल मुकुंद आचार्य ने यूपी सीएम योगी के नक्शे कदम पर चलते हुए अभी से ही अधिकारियों को फोन पर चेतावनी दी है कि शाम तक इलाके में सडकों से सभी नॉनवेज फूड स्टॉल हट जाने चाहिए। शाम को आपसे रिपोर्ट लूंगा। इस बावत वीडियो वायरल होने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुदीन ओवेसी ने इस कारवाई पर पलटवार किया है।उन्होने गलत बताते हुए कहा कि कोई इसे रोक नही सकता। अभी से टकराव शुरू हो गया है। दूसरी तरफ बालक नाथ योगी को दिल्ली तलब कर सीएम पद देने पर चर्चा होने के कयास लगाए जा रहे है। उधर विजय राजे सिंधिया के घर भी 20-25 विधायकों की मीटिंग चल रही है। ये सब विधायक सिंधिया को सीएम बनाने के लिए दबाव बनाने में जुटे है। इसके बाद प्रह्लाद जोशी ,ओम बिरला का नाम भी चर्चा में है। फैंसला अभी होना बाकी है। वहीं छत्तीसगढ में भी आज 11 बजे होने वाली मीटिंग भी टाल दी गई है। मध्यप्रदेश में मोदी ने भी कई वर्तमान सांसदों को भी विधायक के बतौर एमपी में उतार दिया है। वह विधायक भी बन गए है। अब सीएम कमान के निर्देश दिल्ली से तय होने की इंतजार की जा रही है। बहरहाल तीनों राज्यों की जनता अपने-अपने कयास लगाने में लगे हैं। सत्ता की कुर्सी-चाबी पीएम मोदी के हाथ में थमा दी है। आखरी फैसला अब पार्टी आफिस दिल्ली से आने की इंतजार में राज्यों की जनता और विधायक चातक बनें आसमान पर टकटकी लगाए तक रहे हैं। सीएम पद के इंतजार की घड़यां लंबी होने के आसार है।

# राजस्थान में 199 में से 169 करोड़पति विधायक होंगे, 10% महिलाएं पहुंचेंगी विधानसभा; जानें ये आंकड़े

**राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में जीते 199 उम्मीदवारों में से 61 (31%) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं 2018 में 199 विधायकों में से 46 (23%) विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे।**

**नई दिल्ली।** 3 दिसंबर को राजस्थान विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए गए। इसके साथ ही अब नई सरकार के गठन की तैयारी हो रही है। इसी बीच एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें प्रदेश के सभी 199 विजयी उम्मीदवारों के वित्तीय आपराधिक और अन्य विवरणों का विशलेषण किया गया है।

आइए जानते हैं कि राजस्थान की नई विधानसभा में चुनकर आए नए चेहरे कितने पढ़े-लिखे हैं? नवनिर्वाचित विधायकों की औसत उम्र क्या है? कितने युवा और कितने बुजुर्ग हैं? कितने ऐसे विजेता हैं, जिनपर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं? कितने करोड़पति इस विधानसभा में पहुंचे हैं।

**कितने ऐसे विजेता हैं, जिनपर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं?**

2023 में जीते 199 उम्मीदवारों में से 61 (31%) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, 2018 में राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान 199 विधायकों में से 46 (23%) विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे।

गंभीर आपराधिक मामलों की बात करें तो इस बार 44 (22%) जीतने वाले उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 2018 में राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान 199 विधायकों में से 28 (14%) विधायकों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे।

गंभीर आपराधिक मामलों में एक विजेता उम्मीदवार ने हत्या (आईपीसी धारा-302) से जुड़ा मामला घोषित किया है। सात विजयी उम्मीदवारों ने हत्या के प्रयास (आईपीसी धारा-307) के मामलों की घोषणा की है। जीतने वाले छह उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले भी हैं।

सबसे ज्यादा भाजपा के विजेताओं के खिलाफ मामले

यही आंकड़ें पार्टी के अनुसार देखें तो, भाजपा के 115 विजयी उम्मीदवारों में से 35 (30%) ने अपने हलफनामों में खुद के खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके बाद कांग्रेस के 69 विजयी उम्मीदवारों में से 20 (29%), भारत आदिवासी पार्टी के तीन विजयी उम्मीदवारों में से दो, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के एकलौता विजेता उम्मीदवार और आठ निर्दलीय विजेता उम्मीदवारों में से तीन ने अपने हलफनामों में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

इसी तरह भाजपा के 115 विजयी उम्मीदवारों में से 24, कांग्रेस के 69 विजयी उम्मीदवारों में से 16, भारत आदिवासी पार्टी के 3 विजयी उम्मीदवारों में से एक, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के एक विजेता उम्मीदवार और आठ निर्दलीय विजेता उम्मीदवारों में से दो ने अपने हलफनामे में अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

**करोड़पति विजेता उम्मीदवार**

199 विजेता उम्मीदवारों में से 169 (85%) करोड़पति हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2018 के दौरान विश्लेषण किए गए 199 विधायकों में से 158 (79%) विधायक करोड़पति थे।

पार्टी-वार आंकड़े देखें तो, सबसे ज्यादा भाजपा से 115 में से 101 (88%) करोड़पति विजेता उम्मीदवार हैं। इसके बाद कांग्रेस से 69 में से 58 (84%), बीएसपी से दो में से एक और आठ निर्दलीय विजेता उम्मीदवारों में से सात ने एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में जीतने वाले प्रति उम्मीदवार की औसतन संपत्ति 7.78 करोड़ रुपये है। 2018 में औसतन प्रति विधायक की संपत्ति 7.39 करोड़ रुपये थी।

पार्टीवार औसत संपत्तिके आंकड़े देखें तो, भाजपा के 115 विजेता उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 7.09 करोड़ रुपये है। इसके बाद कांग्रेस के 69 विजेता उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 8.65 करोड़ रुपये है, बसपा के 2 विजेता उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 6.77 करोड़ रुपये है और आठ निर्दलीय विजेता उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 14.60 करोड़ रुपये है।

**सिद्धि कुमारी सबसे धनी विधायक होंगी**

बीकानेर पूर्व से भाजपा के टिकट पर जीतीं सिद्धि कुमारी नई विधानसभा में सबसे अमीर विधायक होंगी। सिद्धि की संपत्ति 102 करोड़ रुपये की है। फुलेरा से जीते कांग्रेस के विद्याधर सिंह 70 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे सबसे धनी विधायक होंगे। 63 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर रामकेश हैं। इस चुनाव में रामकेश ने गंगापुर सीट पर बतौर कांग्रेस प्रत्याशी जीत दर्ज की है।

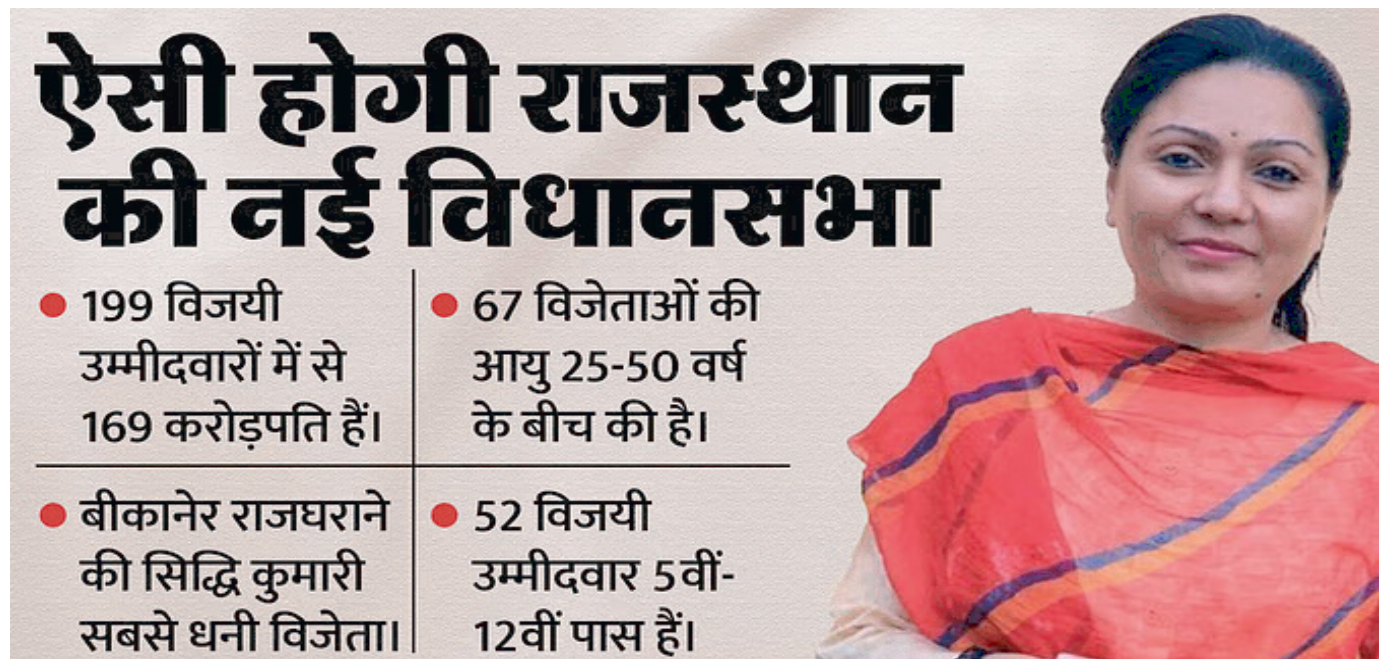


वहीं, कम दौलत वाले विजेताओं की बात करें तो इस मामले में संगरिया से जीते कांग्रेस के अभिमन्यु की संपत्ति 1.57 लाख रुपये की है। वहीं कामां से भाजपा के टिकट पर जीते नौक्षम 2.70 लाख रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे सबसे कम संपत्ति वाले विधायक होंगे। शाहपुरा से जीते कांग्रेस के अभिमन्यु की संपत्ति 3.34 लाख रुपये की है।

**52 विजेता उम्मीदवार 5वीं से 12वीं पास**

एडीआर ने राजस्थान की नई विधानसभा के चेहरों की शैक्षिक योग्यता के आंकड़े भी दिए हैं। 52 (26%) विजेता उम्मीदवार 5वीं पास और 12वीं पास के बीच की योग्यता वाले हैं, जबकि 137 (69%) विजेता उम्मीदवारों ने स्नातक और उससे अधिक की शैक्षिक योग्यता होने की घोषणा की है। छह विजयी उम्मीदवार डिप्लोमा धारक हैं और चार विजेता उम्मीदवार महज साक्षर हैं।

67 (34%) विजेता उम्मीदवारों ने अपनी आयु 25 से 50 वर्ष के बीच की बताई है, जबकि 130 (65%) विजेता उम्मीदवारों ने अपनी आयु 51 से 80 वर्ष के बीच घोषित की है। दो विजयी उम्मीदवारों ने घोषणा की है कि उनकी उम्र 80 वर्ष से अधिक है। चुनाव में जीते 199 उम्मीदवारों में से महज 20 (10%) विजेता उम्मीदवार महिलाएं हैं। हालांकि, 2018 में 199 विधायकों में से 23 (12%) विधायक महिलाएं थीं।

# मणिपुर में दो समूहों के बीच भीषण गोलीबारी, 13 लोगों की मौत

मणिपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के तेंगनौपाल जिले में उग्रवादियों के दो समूहों के बीच भीषण गोलीबारी हो गई। इस गोलीबारी में 13 लोगों की मौत हो गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि सोमवार दोपहर तेंगनौपाल जिले के साइबोल के पास लीथू गांव में आतंकवादियों के दो समूहों के बीच गोलीबारी की सूचना मिली थी।

**इंफाल।** मणिपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के तेंगनौपाल जिले में उग्रवादियों के दो समूहों के बीच भीषण गोलीबारी हो गई। इस गोलीबारी में 13 लोगों की मौत हो गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि सोमवार दोपहर तेंगनौपाल जिले के साइबोल के पास लीथू गांव में आतंकवादियों के दो समूहों के बीच गोलीबारी की सूचना मिली थी।

अधिकारियों ने आगे कहा कि घटना वाली जगह से सुरक्षा बल लगभग 10 किमी दूर थे। सुरक्षाकर्मी जब घटनास्थल पर पहुंचे को लीथू गांव में 13 लोग मृत मिले। बता दें कि इसी साल मई में दो समुदाय बहुसंख्यक मैतेई और अल्पसंख्यक कुकी के बीच हिंसक झड़प हो गई थी, जिसकी असर अभी भी है।

**हिंसा में अबतक 150 लोगों की मौत**

इस हिंसा में अब तक कम से कम 150 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 400 लोग घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के संघर्ष के कारण हजारों लोगों को अपने घरों से दूसरी जगहों पर विस्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

# मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को फोन किया

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

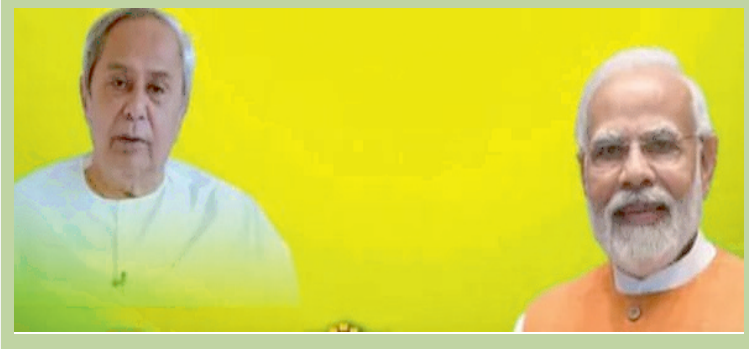

**भुबनेश्वर** : नवीन ने मोदी को फोन किया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने 3 राज्यों में बीजेपी की बड़ी जीत के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की बड़ी जीत के लिए शुभकामनाएं दीं. 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे देशवासियों के सामने हैं. छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस सरकार को उखाड़कर सत्ता पर कब्जा करने जा रही है। उधर, मध्य प्रदेश में बीजेपी को बड़ी जीत मिली है. राजस्थान और मध्य प्रदेश में दिग्गजों को मात देने की कोंग्रेस की रणनीति फेल हो गई है.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023